

संपादकीय

बैजार हुआ बाजार

पानीपत के कंबल उद्योग को जल्द मिले सहारा

वैश्विक बाजार में जारी उथल-पुथल तथा कई युद्धों से बेदम होती अर्थव्यवस्था में स्वदेशी उद्योगों पर कितने गंभीर प्रभाव पड़ रहे हैं, उसकी बागमी देश-दुनिया में विख्यात पानीपत के कंबल उद्योग के खस्ता हालात में दिखती है। देश में कंबल उत्पादन का यह प्रमुख केंद्र फिलहाल गंभीर आर्थिक चुनौतियों से जुड़ा रहा है। अब जब सर्दियों के लिये कंबलों की खरीद का सीजन पीक पर है,यहां घरेलू बिक्री में पचास फीसदी की भारी गिरावट दर्ज की गई है। निस्संदेह, यह मंदी उस टेक्सटाइल क्लस्टर की कमजोरी को उजागर करती है, जिसने बड़े पैमाने पर उत्पादन के बूते देश-विदेश में अपनी प्रतिष्ठा बनायी थी।

भले ही आर्थिक विकास की तीव्र दर के दावों को लेकर नेता गाल बजाते रहें, लेकिन कंबल उद्योग के आंकड़े चिंता बढ़ाने वाले हैं। यह उद्योग खाड़ी युद्ध, मौसमी उतार-चढ़ाव व विषम आर्थिक परिस्थितियों में उपभोक्ताओं की घटती क्रयशक्ति, बढ़ती लागत आदि अनेक कारकों के प्रति संवेदनशील बना हुआ है। एक बड़ी वजह उत्पादन लागत का बढ़ना भी है। मसलन पॉलिएस्टर धागे की कीमत पिछले साल के मुकाबले काफी बढ़ गई है। कंबल उद्योग से जुड़े उद्यमी बताते हैं कि ऑर्डर कम आने से बिना बिके माल का स्टॉक बढ़ता जा रहा है। जिसके चलते कंबलों के उत्पादन में तीस से पैंतीस प्रतिशत की गिरावट आ गई है। वहीं दूसरी ओर भुगतान श्रृंखला भी गड़बड़ा गई है। जो भुगतान एक-सवा महीने में आ जाता था, वह औसत समय दो माह का हो चला है। जिससे कार्यशील पूंजी पर दबाव बढ़ रहा है। फलतः उत्पादक खुद को मुश्किल स्थिति में फंसा पा रहे हैं। ऐसे में यदि उद्यमी बड़ी हुई लागत का बोझ खुद वहन करते हैं तो उनका मुनाफा कम हो जाता है। वहीं दूसरी ओर यदि वे उत्पाद की कीमत बढ़ाते हैं तो कीमत के प्रति संवेदनशील ग्राहक के दूर होने की चिंता बन जाती है। पानीपत का कंबल उद्योग फिलहाल जिस संकट से गुजर रहा है, उसके प्रभाव व्यापक हैं। निस्संदेह, पानीपत के कपड़ा उद्योग से हजारों बुनकरों, श्रमिकों, व्यापारियों, परिवहनकर्ताओं और अन्य सहायक व्यवसायों का जुड़ाव होता है। यदि उद्योग में लंबे समय तक मंदी की स्थिति बनी रहती है, तो हजारों लोगों की जीविका पर असर पड़ेगा। खासकर, कंबलों की घरेलू आपूर्ति से जुड़ा क्षेत्र। इसके अलावा यह पुनर्चक्रण आधारित कपड़ा उद्योग का भी केंद्र है। जहां, अनुपयोगी कपड़ों को व्यावसायिक रूप से उपयोगी बनाने की क्षमता सर्वाधिक है। निस्संदेह, कंबल उद्योग को अविलंब सरकारी मदद की दख़तर है। सरकार को तत्काल वे उपाय करने होंगे, जिससे किफायती कार्यशील पूंजी को उपलब्धता सुनिश्चित हो। वहीं समय पर भुगतान को प्रोत्साहित करने के प्रयास हों। लंबे समय तक पानीपत के कंबल उद्योग की अंतर्राष्ट्रीय साख़ रही है। लेकिन अब इस उद्योग में शामिल कुछ देशों की तरफसे कड़ी चुनौती मिलने लगी है। फलतः इस उद्योग से जुड़ी तकनीकों का अविलंब आधुनिकीकरण किया जाए। इसके साथ ही ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति सुनिश्चित करने और कार्यबल को आधुनिक उत्पादन जरूरत के हिसाब से प्रशिक्षण देने की जरूरत होगी। इस उद्योग के उत्थान के लिये दीर्घकालिक रणनीति तैयार करना भी उतनी ही जरूरी है। वहीं दूसरी ओर कंबल निर्यातियों को भी नई पीढ़ी की रुचि के हिसाब से अपने उत्पादों में विविधता लाने की जरूरत है। इससे जहां पानीपत के ब्रांड को मजबूती मिलेगी, वहीं विदेशी बाजार तक पहुंच बनाने में मदद मिल सकती है। निस्संदेह, पानीपत के कंबल उद्योग की मौजूदा स्थिति हमें यह सबक देती है कि विनिर्माण क्षमता को केवल उत्पादन क्षमता के आधार पर नहीं मापा जा सकता है। हकीकत तो यह है कि एक मजबूत औद्योगिक क्लस्टर को कीमतों में अचानक आने वाले उतार-चढ़ाव, उपभोक्ताओं की बदलती रूचियों और बाजार में पैदा होने वाली अनिश्चतता का सामना करने में भी सक्षम होना ही चाहिए। वक्त की जरूरत है कि सरकार इस स्थिति में अविलंब हस्तक्षेप करे। यदि ऐसा होता है तो एक अस्थायी मंदी को गंभीर संरचनात्मक संकट बनाने से रोक़ा जा सकता है। ऐसे में सरकार के ये प्रयास केवल टेक्सटाइल हब को ही नहीं बचाएंगे, बल्कि रोजगार-उद्यम की रक्षा के साथ ही देश की विनिर्माण आर्थिकी को भी संबल देंगे।

संकट से गुजर रहा है, उसके प्रभाव व्यापक हैं। निस्संदेह, पानीपत के कपड़ा उद्योग से हजारों बुनकरों, श्रमिकों, व्यापारियों, परिवहनकर्ताओं और अन्य सहायक व्यवसायों का जुड़ाव होता है। यदि उद्योग में लंबे समय तक मंदी की स्थिति बनी रहती है, तो हजारों लोगों की जीविका पर असर पड़ेगा। खासकर, कंबलों की घरेलू आपूर्ति से जुड़ा क्षेत्र। इसके अलावा यह पुनर्चक्रण आधारित कपड़ा उद्योग का भी केंद्र है। जहां, अनुपयोगी कपड़ों को व्यावसायिक रूप से उपयोगी बनाने की क्षमता सर्वाधिक है। निस्संदेह, कंबल उद्योग को अविलंब सरकारी मदद की दख़तर है। सरकार को तत्काल वे उपाय करने होंगे, जिससे किफायती कार्यशील पूंजी को उपलब्धता सुनिश्चित हो। वहीं समय पर भुगतान को प्रोत्साहित करने के प्रयास हों। लंबे समय तक पानीपत के कंबल उद्योग की अंतर्राष्ट्रीय साख़ रही है। लेकिन अब इस उद्योग में शामिल कुछ देशों की तरफसे कड़ी चुनौती मिलने लगी है। फलतः इस उद्योग से जुड़ी तकनीकों का अविलंब आधुनिकीकरण किया जाए। इसके साथ ही ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति सुनिश्चित करने और कार्यबल को आधुनिक उत्पादन जरूरत के हिसाब से प्रशिक्षण देने की जरूरत होगी। इस उद्योग के उत्थान के लिये दीर्घकालिक रणनीति तैयार करना भी उतनी ही जरूरी है। वहीं दूसरी ओर कंबल निर्यातियों को भी नई पीढ़ी की रुचि के हिसाब से अपने उत्पादों में विविधता लाने की जरूरत है। इससे जहां पानीपत के ब्रांड को मजबूती मिलेगी, वहीं विदेशी बाजार तक पहुंच बनाने में मदद मिल सकती है। निस्संदेह, पानीपत के कंबल उद्योग की मौजूदा स्थिति हमें यह सबक देती है कि विनिर्माण क्षमता को केवल उत्पादन क्षमता के आधार पर नहीं मापा जा सकता है। हकीकत तो यह है कि एक मजबूत औद्योगिक क्लस्टर को कीमतों में अचानक आने वाले उतार-चढ़ाव, उपभोक्ताओं की बदलती रूचियों और बाजार में पैदा होने वाली अनिश्चतता का सामना करने में भी सक्षम होना ही चाहिए। वक्त की जरूरत है कि सरकार इस स्थिति में अविलंब हस्तक्षेप करे। यदि ऐसा होता है तो एक अस्थायी मंदी को गंभीर संरचनात्मक संकट बनाने से रोक़ा जा सकता है। ऐसे में सरकार के ये प्रयास केवल टेक्सटाइल हब को ही नहीं बचाएंगे, बल्कि रोजगार-उद्यम की रक्षा के साथ ही देश की विनिर्माण आर्थिकी को भी संबल देंगे।

तरक्की के सफर में बाकी हैं कई मुकाम

डॉ. शेर सिंह सांगवान

साल 1966 में अस्तित्व में आया हरियाणा आज तरक्की के मामले में देश के अग्रणी राज्यों में शुमार है। सरकारी स्तर पर मूलभूत नागरिक सुविधाएं सुहैया कराने, कृषि व औद्योगिक क्षेत्र में तेज प्रगति के मामले में प्रांत ने निरंतर कई मिसाल पेश कीं। हालांकि विकास के इस छह दशक के सफर में कई पड़ाव हासिल करने बाकी हैं। हरियाणा भारत के सबसे तेजी से विकसित हो रहे राज्यों में से एक है। राष्ट्रीय राजधानी के आसपास होने की वजह से यह राजनीतिक रूप से भी वाइब्रेंट यानी जीवंत रहा है। इसे 1 नवंबर, 1966 को पुराने पंजाब से अलग किया गया था। उस समय इसका इलाका खेती, उद्योग और सर्विसेज में संयुक्त पंजाब से काफ़ी पीछे था। लेकिन अलग राज्य बनने के बाद, इसके कुछ नेताओं की दूरदर्शी सोच की वजह से इसकी विकास दर पड़ोसी पंजाब सहित ज्यादातर दूसरे राज्यों से आगे निकल गई। कुछ समय की प्रशासनिक उथल-पुथल और राजनीतिक अस्थिरता के बाद, इस पर मुख्यमंत्री बंसीलाल का मजबूती से राज चला, जिनमें हरियाणा को देश का नंबर वन राज्य बनाने की दृढ़ इच्छाशक्ति थी।

उनके दूरदर्शी नेतृत्व में, हरियाणा 1970 के दशक की शुरुआत में शतप्रतिशत विद्युतीकरण और रोड कनेक्टिविटी हासिल करने वाला पहला राज्य था। ग्रामीण इलाकों में बिजली होने से दूग्धबूवेल और रिस्कलर सिंचाई सिस्टम लगाना मुमकिन हुआ, खासकर प्रदेश के बारिश पर निर्भर दक्षिणी हिस्से में। इससे राज्य में खेती-बाड़ी की ग्रोथ को बढ़ावा मिला और यह अपने पड़ोसी पंजाब के बराबर आ गया। सत्र के दशक में पूरे राज्य में पाइप से पीने का पानी उपलब्ध कराया गया, खासकर उन इलाकों में जहां भूजल खराब था। हरियाणवी गाना, 'तोषाम, भिवानी और महु की ढाणी, पीवे पानी नलका का', आज भी उन बुजुर्ग लोगों को रोमांचित करता है, जो इसकी पुरानी समस्या जानते हैं। दक्षिणी हरियाणा में कैनाल लिफ्ट इरिगेशन प्रोजेक्ट भी लागू किया गया, जिससे खेती



और पशुपालन का विकास तेज हुआ और बारिश पर निर्भर इलाकों में पर्यावरण और ग्राउंडवाटर क्वालिटी में सुधार हुआ। '80 के दशक से सरकारी सखिडी और बैंक क्रेडिट के साथ बागवानी व डेयरी विकास को भी बढ़ावा दिया गया।

वर्ष 1981 में गुड़गांव (अब गुरुग्राम) में मारुति प्लांट की स्थापना को राज्य में औद्योगिक विकास का संकेत माना जा सकता है। इसके बाद प्रदेश में इसकी सहायक और दूसरी औद्योगिक यूनिट्स भी बनीं। बाद में, होंडा और हिरो-मोटोकोर्प जैसी बड़ी टू-व्हीलर कंपनियां भी गुड़गांव में स्थापित हुईं। बाद में यह शहर विश्व स्तर की इन्फोकॉर्पोरेशन टेक्नोलॉजी (आईटी) यूनिट्स का एक बड़ा हब बन गया। साल 1992 और उससे पहले की अपनी अंत औद्योगिक नीति के बाद हरियाणा इंडस्ट्रियल एस्टेट्स स्थापित करने में आगे रहा। अलग-अलग तरह की इंडस्ट्रियल यूनिट्स आई। फ़रीदाबाद, सोनीपत और अंबाला में एगो-प्रोसेसिंग यूनिट्स भी लगी। सोनीपत और यमुनानगर के फूड पार्कों में एगो-प्रोसेसिंग इकाइयां स्थापित हुईं। पानीपत में 2010 में एक ऑयल रिफ़ाइनरी और 1998 में एक नेथा क्रेकर प्लांट शुरू किया गया। यह शहर पारंपरिक रूप से हैंडलूम इंडस्ट्री के लिए भी विख्यात है।

पहले तीन दशकों में हुए विकास ने 2004-05 में हरियाणा को प्रति व्यक्ति आय (पीसीआई) के हिसाब से टॉप 10 राज्यों

नीरज कुमार दुबे

चार राज्यों की 28 सीटों के चुनाव में एनडीए ने 16 सीटें जीतकर बढ़त बनाई, लेकिन नागपुर में कांग्रेस और वाराणसी में समाजवादी पार्टी की जीत ने भाजपा के सामने अलग राजनीतिक सवाल खड़े किए। विपक्ष ने इन नतीजों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दावों और भाजपा की चुनावी रणनीति से जोड़कर हमला तेज किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जैसे ही सोशल मीडिया पर कांग्रेस की सीटों की संख्या को लेकर तंज कसते हुए पूछा कि आखिर कांग्रेस को कितनी सीटें मिलीं, उसके कुछ ही समय बाद महाराष्ट्र के नागपुर में कांग्रेस ने जीत दर्ज कर अपना खाता खोल दिया। इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में भी भाजपा को दोनों विधान परिषद सीटों पर हार का सामना करना पड़ा और विपक्षी समाजवादी पार्टी ने जीत हासिल की। इस तरह कांग्रेस पर कटाक्ष करने की कोशिश में भाजपा खुद ही राजनीतिक कटाक्ष का निशाना बन गई। आरएसएस के मुख्यालय नागपुर में कांग्रेस की जीत और मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में विपक्ष की सफलता ने चुनावों के नतीजों को एक नया राजनीतिक मोड़ दे दिया।

देखा जाये तो चार राज्यों के विधान परिषद चुनावों के नतीजों ने राष्ट्रीय राजनीति में एक दिलचस्प तस्वीर पेश की है। भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए ने कुल 28 सीटों में 16 पर जीत दर्ज की, जबकि कांग्रेस को केवल महाराष्ट्र की नागपुर स्नातक सीट पर सफलता मिली। लेकिन इन परिणामों का राजनीतिक महत्व केवल सीटों के कुल आंकड़े तक सीमित नहीं है। महाराष्ट्र में नागपुर और उत्तर प्रदेश में वाराणसी की हार ने भाजपा के लिए प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उसके संगठनात्मक प्रभाव पर चर्चा शुरू कर दी है।

हम आपको बता दें कि महाराष्ट्र की नागपुर स्नातक निर्वाचन सीट पर कांग्रेस के अधिजीत वंजारी ने भाजपा के सुधाकर कोहले को 3,271 मतों से हराकर सीट बरकरार रखी। वंजारी को 67,231 और कोहले को 63,960 वोट मिले। लगभग दो दिन चली मतगणना में दूसरे विलेयता के मत निर्णयक साबित हुए। इस निर्वाचन क्षेत्र का महत्व इसलिए भी है कि नागपुर आरएसएस का मुख्यालय होने के साथ-साथ

क्षमा शर्मा

ऐसे दोस्तों को बुजुर्ग भी बड़ी संख्या में बुला रहे हैं, ताकि कोई तो हो, जो न केवल उनके साथ समय बिताए, बल्कि उनकी बातें भी सुने। उनके साथ फिल्म देखें, बातचीत करें, हंसी-मजाक करे, उनके जन्मदिन पर उपस्थित हो और 'हैप्पी बर्थडे' गा सके।

अंग्रेजी की कहावत है—'ए फ्रेंड इन नीड इज ए फ्रेंड इनडीड।' यानी कि जो दोस्त जरूरत के समय काम आए, वहीं असली दोस्त होता है। आप लोगों ने दशकों पहले आई फिल्म शोले भी देखी होगी, जिसमें एक गाना था—'ये दोस्ती हम नहीं छोड़ेंगे।' इसे अमिताभ बच्चन और धर्मेन्द्र पर फिल्मया गया था। ऐसी दोस्तियां होते भी देखी हैं, जो बचपन से लेकर जीवन के आखिरी पड़ाव तक बनी रहती हैं। चित्रयों में भी यह सहेलीपन, बहनाया या दोस्तानीपन खूब चलता रहा है। सावन के महीने में जब लड़कियां अपने ससुराल से मंगेय आती थीं, तो सबसे पहले वे अपनी बचपन की सहेली को ही खोजती थीं। इन दोस्तियों के कारण परिवार भी आपस में मित्र बन जाते थे।

लेकिन इन दिनों फ्रेंडशिप या दोस्ती की परिभाषा कुछ बदली हुई है। इसे फेसबुक से आसानी से समझा जा सकता है। इसमें पांच हजार दोस्तों की सीमा है। यानी कि पांच हजार के बाद फ्रेंडशिप रिक्लेस्ट स्वीकार नहीं की जा सकती। किसी के पांच हजार मित्र हों, तो उसकी ताकत के कच्चे ही क्या! क्योंकि कहा जाता है कि दोस्तों से दुनिया चलती है। लेकिन यह भी तो है कि हो सकता है कि इन पांच हजार में से किसी एक को भी आप निजी तौर पर न जानते हों। फिर मनुष्य के मनुष्य से मिलने पर जो भाईचारा उत्पन्न होता है, आत्मियता बढ़ती है, इन बातों की जगह इन दोस्तों में कहा? आपके सुख-दुःख में भी इनका शायद ही कोई

विचार

नागपुर और वाराणसी में बीजेपी की करार हार से सत्ता पक्ष की नींद उड़ी



मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का गृहक्षेत्र भी है। यह परिणाम भाजपा के लिए स्थानीय स्तर पर संगठन और मतदाता संपर्क की समीक्षा का अवसर है। गडकरी लंबे समय तक इसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और भाजपा ने इस बार भी सीट वापस पाने के लिए अभियान चलाया था। इसके बावजूद कांग्रेस की लगातार दूसरी जीत बताती है कि मजबूत वैचारिक और संगठनात्मक आधार वाले क्षेत्र में भी चुनावी परिणाम स्वतः सुनिश्चित नहीं होते।

दूसरी ओर, कांग्रेस ने इस जीत को भाजपा के शुरुआती दावों के जवाब के रूप में पेश किया। महाराष्ट्र कांग्रेस ने मुख्यमंत्री फडणवीस की उस सोशल मीडिया पोस्ट पर तंज कसा, जिसमें उन्होंने कांग्रेस के शून्य सीटों पर रहने की बात कही थी। नागपुर का परिणाम आने के बाद पार्टी ने उनकी पोस्ट हटाए जाने को लेकर भी कटाक्ष किया। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने इसे भाजपा के राजनीतिक दावों के लिए झटका बताया।

वहीं उत्तर प्रदेश के चुनावों में वाराणसी का परिणाम और भी महत्वपूर्ण रहा। समाजवादी पार्टी ने वाराणसी शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में लाल बिहारी यादव के माध्यम से अपनी सीट बरकरार रखी। इसके साथ ही सपा के आशुतोष सिन्हा ने वाराणसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में भी जीत हासिल की। इस तरह

का इतना लोप कैसे हो गया है। लोग इतने नाराज भी क्यों हैं कि जुरा-जुरा सी बात पर एक-दूसरे की जान ले रहे हैं? नए वक्त को देखते हुए अब दोस्ती करवाने के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म भी सक्रिय हो गए हैं। यहां से आप पूरे दिन या कुछ घंटों के लिए दोस्त बुक कर सकते हैं। घंटे के हिसाब से भुगतान करना होता है। भुगतान की रकम कहीं तीन सौ, तो कहीं पांच सौ रुपये प्रति घंटा भी हो सकती है। जो लोग ऐसे दोस्तों को बुक करते हैं, उन्हें पहले ही बता दिया जाता है कि इस दोस्ती में भावुकता से भरे रिश्तों की कोई जगह नहीं है।

कई युवा कहते हैं कि अब उनके पुराने दोस्तों के पास समय नहीं है। यहां तक कि फोन पर बात भी नहीं हो पाती। इसलिए वे ऑनलाइन दोस्त बुक करते हैं। कई कहते हैं कि वे अपने घर-परिवार से दूर नौकरी करते हैं। किसी सहयोगी के पास इतना समय नहीं होता कि वह उनके साथ समय बिता सके। इसलिए किराए पर दोस्त लेने का विचार उन्हें ज्यादा अच्छा लगता है। ये दोस्त आपके साथ घूम-फिर सकते हैं, खाना खा सकते हैं और कॉफी पी सकते हैं। भारत में इस तरह की किराए की दोस्तियां बढ़ती ही जा रही हैं। कई युवा नौकरी करते हैं, लेकिन अतिरिक्त कमाई के लिए छुट्टी के दिन किराए के दोस्त बनकर जाते हैं। इस तरह उनका समय भी कट जाता है और अतिरिक्त कमाई भी हो जाती है। कई युवा इस तरह तनखाह के अलावा तीस-चालीस हजार रुपये तक कमा रहे हैं।

बहुत से स्त्री-पुरुष दोस्त इसलिए किराए पर ले रहे हैं, ताकि वे उनसे अपनी परेशानियां साझा कर सकें, क्योंकि उनकी बात सुनने वाला और कोई नहीं है। एक

बैलेट पेपर वाली टिप्पणी पर पलटवार करते हुए नागपुर और वाराणसी के परिणामों का उल्लेख किया। उनका तर्क था कि यदि भाजपा बैलेट पेपर से हुए चुनावों के नतीजों को कांग्रेस की कमजोरी का प्रमाण बता रही है, तो उसे अपने उन क्षेत्रों में हार पर भी जवाब देना चाहिए जहां भाजपा की मजबूत राजनीतिक मौजूदगी मानी जाती है।

दूसरी ओर, समग्र तस्वीर में एनडीए की 16 सीटों की जीत महत्वपूर्ण है। कर्नाटक में भाजपा-जेडीएस गठबंधन ने चारों सीटें जीतीं, उत्तर प्रदेश में भाजपा छह सीटों पर विजयी रही और बिहार में भाजपा-जदयू ने मिलकर चार सीटें हासिल कीं। दूसरी ओर, महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी ने पांच में से तीन सीटें जीतीं और उत्तर प्रदेश में सपा ने पांच सीटों पर सफलता हासिल की।

इन परिणामों से तीन राजनीतिक संदेश निकलते हैं। एक तो एनडीए का कुल प्रदर्शन उसे मनोवैज्ञानिक बढ़त देता है। दूसरा, नागपुर और वाराणसी जैसे प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में हार भाजपा के लिए स्थानीय चुनावी समीकरणों और संगठनात्मक रणनीति की समीक्षा का विषय है। तीसरा, कांग्रेस और INDIA गठबंधन के लिए क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ समन्वय और चुनावी प्रदर्शन को मजबूत करना जरूरी है।

बहरहाल, नागपुर और वाराणसी में भाजपा की हार को महज स्थानीय चुनावी घटनाक्रम बताकर खारिज नहीं किया जा सकता। एक ओर एनडीए ने कुल सीटों के आंकड़े में बढ़त बनाकर अपनी चुनावी ताकत का प्रदर्शन किया, तो दूसरी ओर विपक्ष ने उन क्षेत्रों में भाजपा को शिकस्त दी, जिनकी पहचान उसके मजबूत राजनीतिक प्रभाव से जुड़ी है। आएसएस के मुख्यालय नागपुर में कांग्रेस की जीत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में समाजवादी पार्टी की सफलता ने भाजपा के राजनीतिक दावों के बीच असहज सवाल खड़े कर दिए हैं। अब निगाहें आगामी विधानसभा चुनावों पर हैं, देखना होगा कि क्या विपक्ष इन प्रतीकात्मक जीतों को व्यापक जनसमर्थन में बदलकर भाजपा के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर पाएगा, या भाजपा इन झटकों से सबक लेकर अपने गढ़ों में फिर पकड़ मजबूत करेगी? (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

रिश्तों की बढ़ती टीस और दोस्ती की फीस

महिला ने अपने किराए के दोस्त को बताया कि उसका पति उसे कितना तंग करता है। वह नशे का आदी है, मारता-पीटता है और बच्चे न होने के लिए उसे ताने देता है। बहुत से लड़के-लड़कियां अपनी पसंद से विवाह करते हैं। इस अवसर पर यह दिखाने के लिए कि उनके नाते-रिश्तेदार भी इस विवाह में मौजूद थे, वे लड़के-लड़कियों को किराए पर लेकर पति-पत्नी के रूप में आने के लिए भी कहते हैं।

ऐसे दोस्तों को बुजुर्ग भी बड़ी संख्या में बुला रहे हैं, ताकि कोई तो हो, जो न केवल उनके साथ समय बिताए, बल्कि उनकी बातें भी सुने। उनके साथ फिल्म देखें, बातचीत करें, हंसी-मजाक करें, उनके जन्मदिन पर उपस्थित हो और 'हैप्पी बर्थडे' गा सके। इन बुजुर्गों में अनेक ऐसे हैं, जिनके बच्चे बाहर रहते हैं। किसी की दो लड़कियां ही हैं, जो विवाह के बाद चली गई हैं और वे अकेले हैं, तो किसी का लड़का अलग रहता है। दिलचस्प बात यह है कि बुजुर्ग स्त्रियां पुरुषों का साथ चाहती हैं, इसलिए उन्हें किराए पर बुला रहे हैं। वे उनके साथ खरीदारी करने या किसी सहायक में जाने के लिए भी ऐसा कर रही हैं।

यही नहीं, गर्लफ्रेंड और बॉयफ्रेंड भी किराए पर मिल रहे हैं। जानाम में ह्यूमन रेंटिंग यानी किराए पर मनुष्य उपलब्ध कराने का कारोबार एक बहुत फलता-फूलता उद्योग है। इसी से प्रेरणा लेकर भारत और अन्य बहुत से देशों में भी ऐसा हो रहा है। लेकिन मुस्लिम इंस तरह की दोस्तियों को लेकर चेतावनी भी दे रही है कि ऐसी दोस्ती भारी पड़ सकती है। आप थोखे का शिकार हो सकते हैं। सावधान रहिए।

लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ये कैसा हेलोवीन, हम रोज बजाएं उत्सव की बौन

दिवाली आने को है और हम अभी से पटाखे फोड़ने लगे हैं। दिवाली समाप्त होने के महीने भर बाद तक फोड़ते रहेंगे। चोरी की बिजली से घरों और इमारतों को रोज़ान करेंगे। किसी को नशे का हाथ न हो, उसके घर के सामने ऐसा बम फोड़ेंगे कि बंदे की खिड़की-दरवाज़े ही नहीं, जिगरा तक हिल जाए। खबर है कि परदेस में नकली मुछौंटे लगाकर डराने-धमकाने वाले अदने-से उत्सव 'हेलोवीन' को मनाने की तैयारियां चुपचाप चल रही हैं। लोग अपने घरों के सामने भयानक चेहरे, नर-कंकाल और मकड़ियों जैसे नकली खिलौने लगाकर फुरसत में हो लिए हैं। उत्सव मनाने की ऐसी सूनी-सूनी तैयारियां अजीब लगती हैं। उत्सव मनाने के मामले में परदेस बहुत पिछड़े मालूम पड़ते हैं। अब यह भी कोई बात हुई कि चेहरे पर मुछौंटा लगाया, घूम-घाम लिए और हो गया हेलोवीन! उत्सव मनाए एक जुनून है। जुनूनी लोग उत्सव पैदा कर लिया करते हैं और हम उत्सव मनाने के मामले में समुद्ध और आत्मनिर्भर हैं। इधर दिवाली आने को है और हम अभी से पटाखे फोड़ने लगे हैं। दिवाली समाप्त होने के महीने भर बाद तक फोड़ते रहेंगे। चोरी की बिजली से घरों और इमारतों को रोज़ान करवेंगे। किसी को पसंद हो या न हो, उसके घर के सामने ऐसा बम फोड़ेंगे कि बंदे की खिड़की-दरवाज़े ही नहीं, जिगरा तक हिल जाए। खैर! दिवाली तो असल उत्सव है, सो ऐसा होना ही है। पर मज़ा देखिए! हम किसी भी छोटे-मोटे मामले को उत्सव का रूप दे देते हैं। इसमें हमें महारत हासिल है। नया वाहन खरीदा और बीच सड़क पर जाकर आतिशबाज़ी करने लगे। घर में बच्चा हुआ और गली-मोहल्ले में ढोल-ढमाके पीटने लगे। सुना है, जनकलाल के नाती की नौकरी भी एक उत्सव में लगी! रोज़गार के जगी उत्सव के नशे नौकरी का नियुक्ति-पत्र थमा दिया गया। वह अपनी योग्यता को लेकर आशंकित रहा। ऐसे उत्सव को लेकर जनकलाल भी काफी दिनों तक अनमने रहे। बहरहाल, परदेस में मनाए जा रहे मुछौंटेए हेलोवीन उत्सव से याद आया कि सोशल मीडिया की दुनिया नकली मुछौंठों से अटी पड़ी है। इन मुछौंठों के जंतर-मंतर में असली चेहरों की पहचान गुम हो गई है। लोग असली और नकली पुलिस के भय से टंगे जा रहे हैं। राजधानी में आए दिन जंतर-मंतर होते रहते हैं। पिछले दिनों हुए एक ऐसे ही जंतर-मंतर से सोशल मीडिया पर एआई-आधारित मुछौंटाधारियों का सैलाब आ गया। डरावने मुछौंठों ने व्यवस्था को इस कदर चौंकाया कि उसने दांतों तले उंगली दबा ली और अपनी ही उंगली घायल कर बैठी।

यों तो सदियों से चेहरा ही आदमी की पहचान रहा है, पर कालांतर में यह भी कहा गया कि लोग एक चेहरे पर कई चेहरे लगा लेते हैं। इसलिए कहा गया—दिल को देखो, चेहरा न देखो; चेहरे ने लाखों को लूटा, दिल सच्चा और चेहरा झूठा। बावजूद इसके, हमारे यहां चुनावी मौसम में अचोपित हेलोवीन फालावा जा रहा है। नेता मुछौंठों के पीछे अपने चेहरा छिपाए वोट मांगने निकल पड़ते हैं। सो, फिलहाल सार्वभौमिक सौहार्द के मद्देनज़र 'हैप्पी हेलोवीन' कहने में कोई बुराई नहीं है।

जनजातीय अंचलों में पर्यटन से खुलेंगे रोजगार के नए द्वार होम-स्टे से आत्मनिर्भर बनेंगे आदिवासी परिवार

सरगुजा, जशपुर, कबीरधाम और बस्तर के जनजातीय हितग्राहियों को होम-स्टे संचालन एवं डिजिटल मार्केटिंग का विशेष प्रशिक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के जनजातीय और ग्रामीण अंचलों में होम-स्टे और पर्यटन के माध्यम से स्थानीय लोगों, युवाओं और महिला समूहों के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए द्वार खुल रहे हैं। छत्तीसगढ़ राज्य सरकार द्वारा नई उद्योग नीति एवं होमस्टे नीति के तहत बस्तर, सरगुजा और जशपुर जैसे जनजातीय क्षेत्रों में पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है। छत्तीसगढ़ की समृद्ध आदिवासी संस्कृति, पारंपरिक खान-पान और ग्रामीण जीवनशैली को देश-दुनिया के पर्यटकों तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम बन रहे हैं।

छत्तीसगढ़ के जनजातीय अंचलों में पर्यटन की संभावनाओं को स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के वित्तीय सहयोग से आदिमजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (टीआरटीआई), नवा रायपुर द्वारा अनुसूचित जनजाति वर्ग के हितग्राहियों को होम-स्टे संचालन के माध्यम से आजीविका के नए अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस पहल के प्रथम चरण में प्रदेश के चार चयनित जिलों सरगुजा, जशपुर, कबीरधाम और बस्तर के हितग्राहियों को शामिल किया गया है। इसी क्रम में 28



अक्टूबर को टीआरटीआई परिसर में छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल एवं भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम), रायपुर के तकनीकी सहयोग से एक दिवसीय राज्य स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में टीआरटीआई की संचालक सुश्री हिना अनिमेष नेताम ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, पारंपरिक

जीवनशैली और प्राकृतिक सौंदर्य देश-विदेश के पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र हैं। होम-स्टे पर्यटन के विस्तार से स्थानीय परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ ही प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को नई पहचान मिलेगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पर्यटन आधारित गतिविधियों को प्रोत्साहित करने से रोजगार के स्थानीय अवसर विकसित होंगे। इससे जनजातीय परिवार

अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक विशेषताओं को संरक्षित रखते हुए नियमित आय अर्जित कर सकेंगे।

प्रशिक्षण के प्रथम तकनीकी सत्र में छत्तीसगढ़ पर्यटन विभाग की विशेषज्ञ डॉ. शुभदा चतुर्वेदी ने होम-स्टे नीति के विभिन्न प्रावधानों की जानकारी दी। उन्होंने पंजीयन प्रक्रिया, शासन द्वारा निर्धारित मानकों, आवश्यक दस्तावेजों तथा उपलब्ध अनुदान सहायता के संबंध में

विस्तार से मार्गदर्शन किया। द्वितीय सत्र में आईआईएम रायपुर की विशेषज्ञ सुश्री तीर्थोफआयशा अंसारी ने होम-स्टे को सफल उद्यम के रूप में विकसित करने के व्यावहारिक उपाय बताए। उन्होंने पर्यटकों के लिए स्वच्छता, अतिथि संस्कार, कमरों एवं परिसर के रखरखाव तथा गुणवत्तापूर्ण सेवाओं के महत्व पर प्रकाश डाला। साथ ही सीमित संसाधनों से व्यवसाय प्रारंभ कर उसे नियमित आय के स्थायी माध्यम में बदलने की जानकारी दी।

डिजिटल मार्केटिंग पर केंद्रित अंतिम सत्र में विशेषज्ञ ज्योतिर्मय देवांगन ने सोशल मीडिया, ऑनलाइन ट्रेवल पोर्टल और विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म के प्रभावी उपयोग का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने बताया कि आधुनिक तकनीक की सहायता से हितग्राही बिना बिचौलियों के सीधे पर्यटकों से संपर्क स्थापित कर सकते हैं। इससे होम-स्टे की ऑनलाइन बुकिंग बढ़ाने के साथ व्यवसाय को व्यापक पहचान दिलाने में मदद मिलेगी।

कार्यक्रम के समापन पर चारों जिलों से आए प्रतिभागियों ने विशेषज्ञों से अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। उन्होंने प्रशिक्षण की स्वरोजगार की दिशा में उपयोगी बताते हुए अपने क्षेत्रों में होम-स्टे व्यवसाय प्रारंभ करने के प्रति उत्साह व्यक्त किया। यह पहल जनजातीय परिवारों की आर्थिक आत्मनिर्भरता बढ़ाने, स्थानीय पर्यटन को प्रोत्साहित करने तथा छत्तीसगढ़ की विशिष्ट लोकसंस्कृति को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी।

महिला आयोग की जनसुनवाई में 30 प्रकरणों पर हुई सुनवाई, 10 नस्तीबद्ध

अध्यक्ष डॉ. ममता साहू ने संवेदनशील मामलों में संबंधित विभागों को कार्रवाई के लिए निर्देश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. ममता साहू की अध्यक्षता में रायपुर जिले के प्रकरणों की जनसुनवाई आयोजित की गई।

आयोग की सदस्य ओजस्वी मंडावी की उपस्थिति में कुल 47 प्रकरणों में से 30 पर सुनवाई हुई। इनमें 10 प्रकरणों का निराकरण कर नस्तीबद्ध किया गया।



जनसुनवाई के दौरान बैंक से संबंधित एक प्रकरण में आवेदिका के पक्ष के समर्थन में बैंक की महिला अधिकारी ने अपना बयान दर्ज कराया। आयोग ने अनावेदक

अभिलेखों के साथ उपस्थित होने के निर्देश भी दिए गए।

संपत्ति के बंटवारे और स्वर्गीय पति के होटल व्यवसाय में हिस्सेदारी से जुड़े प्रकरण में दोनों पक्षों को सुनकर उनके कथन दर्ज किए गए। आयोग ने मामले को आगे की सुनवाई के लिए रखा।

दिव्यांग आवेदिका से संबंधित प्रकरण में आयोग ने उन्हें काम पर रखने और वेतन भुगतान के संबंध में आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

इस संबंध में मुख्य नगर पालिका अधिकारी को पत्र भेजने के लिए भी कहा गया। नाबालिग बच्चों की सुरक्षा से जुड़ी शिकायत

जल जीवन मिशन से आमगांव में घर-घर पहुंच रहा स्वच्छ पेयजल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जल जीवन मिशन के तहत खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के विकासखंड छुईखदान स्थित ग्राम आमगांव में हर घर नल से जल पहुंचाने की पहल ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। 648 की आबादी वाले इस गांव में 138 घरेलू नल कनेक्शन (एफएचटीसी) उपलब्ध कराए गए हैं। साथ ही पेयजल आपूर्ति के लिए 40 किलोलीटर क्षमता के उच्च स्तरीय जलागार का निर्माण किया गया है। इस सुविधा से ग्रामीण परिवारों को घर पर ही पानी उपलब्ध हो रहा है।

ग्राम आमगांव में पहले ग्रामीणों

को दैनिक उपयोग एवं पेयजल के लिए दूर-दराज के जलस्रोतों पर निर्भर रहना पड़ता था। विशेषकर गर्मी के मौसम में पानी की उपलब्धता बड़ी चुनौती बन जाती थी। महिलाओं एवं बच्चों को पानी लाने में काफी समय व्यतीत करना पड़ता था, जिससे उनके दैनिक कार्य और बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती थी। जल जीवन मिशन के माध्यम से गांव में नल कनेक्शन स्थापित होने के बाद ग्रामीणों को इस परेशानी से राहत मिली है। घर की चौखट तक नल से पानी पहुंचने से गांव की महिलाओं को विशेष सुविधा मिली है। पहले पानी लाने में लगने वाला समय अब परिवार की देखभाल, बच्चों की शिक्षा, घरेलू कार्यों और आजीविका संबंधी गतिविधियों में उपयोग हो रहा है। ग्रामीण परिवारों की दिनचर्या पहले की अपेक्षा अधिक सुविधाजनक हुई है। जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्राम में पेयजल सुविधा के विस्तार के साथ ग्रामीणों को स्वच्छता, सुरक्षित पेयजल के उपयोग और जल संरक्षण के प्रति भी जागरूक किया जा रहा है। ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति तथा ग्रामीण समुदाय की सहभागिता से जलापूर्ति व्यवस्था के संचालन एवं रखरखाव पर ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही जल की गुणवत्ता की निगरानी और जलस्रोतों के संरक्षण के महत्व की जानकारी दी जा रही है।

श्रमिक सम्मेलन 2026 में 6,684 श्रमिकों को 2.98 करोड़ रुपये की सौगात

श्रीकंचनपथ समाचार

महासमुंद्र। श्रमिकों के कल्याण, आर्थिक सशक्तिकरण एवं सामाजिक सुरक्षा को बढ़ावा देने श्रम विभाग द्वारा आज जिला मुख्यालय स्थित शंकराचार्य भवन में श्रमिक सम्मेलन 2026 का आयोजन किया गया। सम्मेलन में विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस सम्मेलन में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत जिले के 6,684 श्रमिकों के बैंक खातों में कुल 2 करोड़ 98 लाख 53 हजार 41 रुपये की राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से हस्तांतरित की गई।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ बीज विकास निगम के अध्यक्ष चन्द्रहास चन्द्राकर, जिला पंचायत उपाध्यक्ष भीखम सिंह ठाकुर, नगर पालिका परिषद उपाध्यक्ष देवीचंद्र राठी, जनपद पंचायत महासमुंद्र की उपाध्यक्ष हुलसी चन्द्राकर, जिला पंचायत सदस्य लक्ष्मी जांगड़े सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लगभग 1,500 श्रमिक एवं हितग्राही शामिल हुए। मुख्य अतिथि



विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने सम्मेलन में उपस्थित श्रमिकों को बधाई देते हुए कहा कि श्रम विभाग द्वारा श्रमिकों के कल्याण एवं आर्थिक उत्थान के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने श्रमिकों से इन योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर अधिक से अधिक लाभ लेने का आह्वान किया। उन्होंने मेधावी छात्रवृत्ति से लाभान्वित छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे उच्च शिक्षा प्राप्त कर समाज, जिले और देश का नाम रोशन करें।

संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। मिनीमाता महतारी जतन योजना के तहत 154 श्रमिकों को 30 लाख

80 हजार रुपये, मुख्यमंत्री साइकिल सहायता योजना में 240 श्रमिकों को 8 लाख 88 हजार 864 रुपये तथा मुख्यमंत्री श्रमिक औजार सहायता योजना में 472 श्रमिकों को 16 लाख 37 हजार 889 रुपये की राशि प्रदान की गई। इसी प्रकार मुख्यमंत्री नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत 5,228 हितग्राहियों को 98 लाख 12 हजार 500 रुपये, मुख्यमंत्री निर्माण मजदूर कौशल विकास एवं परिवार सशक्तिकरण योजना में 36 श्रमिकों को 5 लाख 19 हजार 288 रुपये तथा मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक सुरक्षा उपकरण सहायता योजना के तहत एक श्रमिक को 1,500 रुपये की सहायता राशि दी गई।

चिकित्सा महाविद्यालय के वार्षिक उत्सव 'इम्पेक्टस-2026' में उपलब्धियों का लेखा-जोखा प्रस्तुत, मुख्य सचिव विकासशील ने विद्यार्थियों को दिया सफलता का मंत्र

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय, रायपुर में वार्षिक उत्सव 'इम्पेक्टस-2026' का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की 63 वर्षों की उत्कृष्ट शैक्षणिक परंपरा को समर्पित इस उत्सव में विद्यार्थियों ने विभिन्न शैक्षणिक, साहित्यिक, खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

उत्सव के अंतर्गत गीत-संगीत पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम 'यूफोरिया-2026' का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने संगीत की विभिन्न विधाओं में मनमोहक प्रस्तुतियां देकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को बुधवार शाम महाविद्यालय के अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के मुख्य सचिव विकासशील ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में चिकित्सा शिक्षा आयुक्त रितेश अग्रवाल तथा महाविद्यालय के पूर्व डीन डॉ. चंद्र कुमार शुक्ला विशेष रूप से



उपस्थित रहे। चिकित्सा महाविद्यालय के डीन डॉ. विवेक चौधरी ने मुख्य अतिथि के समक्ष वार्षिक प्रतिवेदन 2025-2026 प्रस्तुत करते हुए कहा कि पंडित नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय, रायपुर ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 में चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान, मरीजों के उपचार और संस्थागत विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं।

राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग से एमबीबीएस की सीटों 230 से बढ़ाकर 250 करने की स्वीकृति प्राप्त हुई। इसके साथ ही सुपर स्पेशियलिटी पाठ्यक्रमों में नई सीटों की मंजूरी, विदेशी चिकित्सा छातकों की इंटरशिप सीटों में 17

से बढ़ाकर 64 तक विस्तार तथा स्नातकोत्तर और एलाइड हेल्थ साइंस पाठ्यक्रमों के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए। प्रदेश के 10 शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों को जोड़ने वाली टेली-शिक्षा व्यवस्था, टेलीरेडियोलॉजी नेटवर्क, संकाय सदस्यों का प्रशिक्षण और राष्ट्रीय नियामक संस्थाओं से प्रमाणन जैसी पहलें संस्थान की शैक्षणिक गुणवत्ता एवं प्रशासनिक दक्षता को मजबूत करने में सहायक रही हैं।

चिकित्सालय के विभिन्न विभागों ने लाखों मरीजों को स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करते हुए जटिल सर्जरी, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, कैंसर उपचार, नेत्र चिकित्सा, अस्थि रोग, आपातकालीन चिकित्सा और रक्त

सेवाओं में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ दर्ज कीं। अनुसंधान एवं निदान सुविधाओं के विस्तार के साथ 1.40 करोड़ रुपए के सिविल निर्माण कार्य, आधुनिक चिकित्सा उपकरणों की खरीदी, केन्द्रीय पुस्तकालय का नवीनीकरण, छात्रावास सुविधाओं में सुधार, स्मार्ट क्लासरूम, चिड्छुन पार्क और अन्य बुनियादी सुविधाओं का विकास किया गया। ये उपलब्धियाँ संस्थान के समर्पित चिकित्सकों, शिक्षकों, रेजिडेंट डॉक्टरों, नर्सिंग अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के सामूहिक प्रयासों और छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग का परिणाम हैं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विकासशील ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि इस

चिकित्सा महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने जिस समर्पण और उत्साह के साथ इस कार्यक्रम का आयोजन किया है, वह वास्तव में सरहनीय है। चिकित्सा विद्यार्थियों के जीवन में तीन प्रमुख चुनौतियाँ होती हैं। पढ़ाई, परीक्षाएँ और पर्याप्त नींद।

अक्सर इन तीनों में से केवल दो के बीच ही संतुलन बना पाता है। नींद की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद बहुत से विद्यार्थियों को लगता है कि जीवन को सबसे कठिन चुनौती समाप्त हो गई है, लेकिन चिकित्सा महाविद्यालय में प्रवेश लेने के बाद उन्हें एहसास होता है कि नींद तो परीक्षाओं की एक लंबी श्रृंखला की शुरुआत भर थी।

मैं आपसे तीन महत्वपूर्ण बातें साझा करना चाहता हूँ। पहली बात, चिकित्सा विज्ञान है, लेकिन इसके साथ यह एक कला भी है। तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता चिकित्सा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं, लेकिन वे मानवीय संवेदना, करुणा और बीमारी से भयभीत मरीज को भरोसा दिलाने की क्षमता का स्थान नहीं ले सकतीं।

दिव्यांग जनों एवं बच्चों के लिए निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण की सुविधा

समग्र शिक्षा एवं एलिम्को के सहयोग से आयोजित आकलन शिविर में 66 बच्चों का चिन्हांकन, प्रेमनगर एवं ओड़गी शिविर में कुल 212 दिव्यांगजनों का पंजीयन

श्रीकंचनपथ समाचार

सूरजपुर। दिव्यांग जनों के जीवन को सुगम बनाने, तथा दिव्यांग बच्चों की शिक्षा में आने वाली बाधाओं को दूर करने तथा उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा पहल की गई है। इसी क्रम में समग्र शिक्षा जिला कार्यालय के तत्वावधान एवं भारतीय कुत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) के सहयोग से दिव्यांग बच्चों के लिए निःशुल्क आकलन एवं मूल्यांकन शिविर रामानुजनगर एवं प्रेमनगर आयोजित किया गया। जहाँ कुल 66 बच्चों का चिन्हांकन किया गया, जिन्हें उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जायेंगे।

कलेक्टर एवं मिशन संचालक समग्र शिक्षा रेना जमील तथा जिला पंचायत सीईओ एवं जिला परियोजना अधिकारी



समग्र शिक्षा विजेन्द्र सिंह पाटेल के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में 6 से 18 वर्ष आयु वर्ग के विशेष आवश्यकता वाले बच्चों का आकलन एवं मूल्यांकन किया गया। शिविर में एलिम्को संस्था के विशेषज्ञ डॉ. नजमुल फकीर (प्रोथेटिक्स एवं ऑर्थोटिक्स) तथा डॉ. सूरजपाल सिंह (ऑडियोलॉजिस्ट) द्वारा बच्चों की

शारीरिक एवं श्रवण संबंधी आवश्यकताओं का आकलन किया गया।

मूल्यांकन के आधार पर जरूरतमंद बच्चों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जायेंगे, जिससे उन्हें दैनिक गतिविधियों एवं शैक्षणिक कार्यों में सुविधा मिल सकेगी। इस अवसर

पर जिला मिशन समन्वयक मनोज कुमार साहू, बीआरसीसी विजय साहू, बीपीओ साक्षर भारत रविनाथ तिवारी सहित बीआरपी, स्पेशल एजुकैटर, संकुल समन्वयक एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

इस प्रकार दिव्यांग जनों के लिए समाज कल्याण विभाग एवं एलिम्को के सहयोग से शिविर आयोजित किया जा रहा है जिसमें 28 अक्टूबर 2026 को प्रेमनगर एवं 29 अक्टूबर 2026 को ओड़गी में आयोजित किया गया। विकासखंड प्रेम नगर में कुल 142 दिव्यांग जनों का पंजीयन कर 17 दिव्यांग जनों का कृत्रिम अंग एवं कैलिपर्स निर्माण किया गया तथा 45 दिव्यांग जनों को सहायक उपकरण वितरण हेतु चिन्हांकित किया गया। इसी प्रकार दिनांक 29 अक्टूबर 2026 को विकासखंड ओड़गी में आयोजित शिविर में 70 दिव्यांग जनों पंजीयन कर 14 दिव्यांग जनों का कृत्रिम अंग एवं कैलिपर्स लगाया

गया तथा सहायक उपकरण हेतु 30 दिव्यांग जनों का चिन्हांकन किया गया, जिन्हें उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जायेंगे।

जिला प्रशासन की इस पहल से दिव्यांग जनों, बच्चों को आवश्यक संसाधन उपलब्ध करारकर उन्हें आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

इसी प्रकार 30 अक्टूबर को मंगल भवन, प्रतापपुर में जनपद पंचायत तथा नगर पंचायत प्रतापपुर, जरही एवं भटागांव क्षेत्र के लिए शिविर होगा। 04 नवंबर को मंगल भवन, भैयाथान में, 05 नवंबर को सामुदायिक भवन, कौशलपुर (रामानुजनगर) में तथा 06 नवंबर को मंगल भवन, सूरजपुर में संबंधित जनपद एवं नगरीय निकाय क्षेत्रों के लिए शिविर आयोजित किया जायेगा।

मात्र 1 घंटे में

गंजेपन से मुक्ति

COMPLETE FAMILY SALON

हेयर स्प्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

पहले बाद में

और अन्य बुनियादी सुविधाओं का विकास किया गया। ये उपलब्धियाँ संस्थान के समर्पित चिकित्सकों, शिक्षकों, रेजिडेंट डॉक्टरों, नर्सिंग अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के सामूहिक प्रयासों और छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग का परिणाम हैं।

GST NO. 22AHMPB9621P122
PH.: 0788-4060131

रंगोली वैगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रॉनिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

अनुप ट्रेडर्स

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता

लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

मो. 09826389666, 8839749539



‘यह शर्मिंदगी हमेशा मेरे साथ रहेगी’

‘पेढ़ी’ में अपने किरदार पर जान्हवी कपूर ने क्यों कही ये बात?

अभिनेत्री जान्हवी कपूर हाल ही में शो ‘कॉफी विद करण 9’ में पहुंचीं। यहां उन्होंने अपनी फिल्म ‘पेढ़ी’ में अपने किरदार के ‘ऑब्जेक्टिफिकेशन’ (वस्तु की तरह पेश किए जाने) पर बात की। उन्होंने माना कि वह ‘ऑब्जेक्टिफिकेशन’ को रोकने के लिए और बेहतर कर सकती थीं। उन्होंने इस फिल्म से जुड़े विवाद में अपनी भूमिका की जिम्मेदारी ली है।

बातचीत के दौरान, शो के होस्ट करण जोहर ने जान्हवी से उस आलोचना के बारे में पूछा, जो फिल्म में उनके किरदार को दिखाए जाने के तरीके को लेकर हुई थी। बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी इस फिल्म में राम चरण अहम किरदार में थे। इस स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म में जान्हवी के किरदार को लेकर काफी विवाद हुआ था।

आलोचना का जवाब देते हुए, जान्हवी ने कहा कि यह बात उनके मन पर लगातार बोझ बनी हुई है। उन्होंने माना कि फिल्म में उनके किरदार को जिस तरह से पेश किया गया, उसे अलग तरीके से दिखाया जा सकता था। उन्होंने कहा, ‘इस तरह की कहानी का हमारे समाज पर जो नकारात्मक असर पड़ सकता है, खासकर मेरे जेंडर पर, वह मेरे मन पर एक भारी बोझ की तरह है।’

यह शर्मिंदगी हमेशा मेरे साथ रहेगी। क्या मैं और कुछ कर सकती थी? क्या मैं और अधिक सतर्क रह सकती थी? बिल्कुल, हां। क्या यह हद से ज्यादा ‘ऑब्जेक्टिफिकेशन’ था? क्या इसने कहानी के जरिए यौन उत्पीड़न को भी बढ़ावा दिया? हां। लेकिन अब मैं बस इतना कर सकती हूं कि यह सुनिश्चित करूं कि ऐसा दोबारा न हो।’

अभिनेत्री ने की अच्छा करने की कोशिश

अभिनेत्री ने आगे कहा ‘और हां, मुझे यह कहते हुए अच्छा नहीं लग रहा क्योंकि ऐसा लग सकता है कि मैं अपनी गलती दूसरों पर डाल रही हूं, मगर बात यह है कि आपको निर्देशक की बात सुननी पड़ती है। जैसे-जैसे मुझे जानकारी मिलती गई, मैं कोशिश करती रही कि चीजों को कम से कम खराब किया जाए। आप तो जानते ही हैं कि शायद ही कभी कोई पूरी तरह से तैयार स्क्रिप्ट मिलती है। ऐसी स्क्रिप्ट्स में भी बहुत कम ही देखने को मिलता है कि कैमरा एंगल कहां होंगे। दक्षिण में तो शायद ही कभी कोई पूरी तरह से तैयार स्क्रिप्ट होती है, उसमें भी कैमरा एंगल कहां होंगे, यह बहुत कम ही पता चलता है।’

जान्हवी कर सकती थी विशेषाधिकार का इस्तेमाल

जान्हवी ने आगे कहा कि उन्हें इंडस्ट्री में अपनी स्थिति का बेहतर इस्तेमाल करना चाहिए था, ताकि वह अपने किरदार को दिखाए जाने के तरीके पर अपनी चिंताएं जाहिर कर पातीं। उन्होंने कहा ‘मुझे अपनी तरफ की जिम्मेदारी भी लेनी होगी। मैं एक ऐसी जगह से आती हूं जहां मुझे विशेषाधिकार मिले हुए हैं। मुझे इसका फायदा उठाना चाहिए था, क्योंकि वैसे भी मुझे विशेषाधिकार मिले होने के लिए आलोचना तो झेलनी ही पड़ती है। तो

बेहतर होता कि मैं इसका इस्तेमाल कर लेती।’

क्या था ‘पेढ़ी’ पर विवाद?

बता दें कि ‘पेढ़ी’ को लेकर विवाद तब शुरू हुआ जब दर्शकों ने आलोचना की कि अचियम्मा के किरदार को इस तरह पेश किया गया है, जिसमें उसकी कामुकता पर जोर दिया गया है। कुछ लोगों ने यह चिंता भी जताई कि कुछ दृश्य यौन

उत्पीड़न को बढ़ावा दे रहे हैं या उसे सामान्य कर रहे हैं। बाद में निर्देशक बुची बाबू सना ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी और कहा कि उनकी टीम का महिलाओं का अपमान करने या उन्हें केवल एक वस्तु की तरह पेश करने का कोई इरादा नहीं था।

जिन दृश्यों की आलोचना हुई थी, उन्हें फिल्म के थिएट्रिकल वर्जन से हटा दिया गया या उनमें बदलाव कर दिया गया।

प्रभास की फौजी की रिलीज डेट आगे बढ़ी? अब फरवरी 2027 में रिलीज हो सकती है फिल्म

साउथ सुपरस्टार प्रभास इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्मों को लेकर लगातार चर्चा में हैं। उनके कई बड़े प्रोजेक्ट्स पाइपलाइन में हैं, जिनका फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इन्हीं में से एक फिल्म है फौजी। हनु राघवपुड़ी के निर्देशन में बन रही इस पीरियड एक्शन ड्रामा फिल्म को लेकर अब एक बड़ा अपडेट सामने आया है। मेकर्स एक बार फिर फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं।

प्रभास की फौजी को पहले 3 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज करने का ऐलान किया गया था, लेकिन अब खबर है कि फिल्म की रिलीज डेट पोस्टपोन हो सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म अपनी तय रिलीज डेट पर सिनेमाघरों में दस्तक नहीं देगी। दरअसल, दिसंबर के पहले हफ्ते में कई मिड-रेंज फिल्मों ने अपनी रिलीज की तैयारी शुरू कर दी है। ऐसे में मेकर्स फौजी की रिलीज को आगे बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि मेकर्स अब फौजी को फरवरी 2027 में रिलीज करने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक इस बारे में कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म की



मां बनने के बाद प्रेग्नेंसी के दिनों को लेकर करिश्मा तन्ना ने की खुलकर बात

हाल ही में मां बनीं अभिनेत्री करिश्मा तन्ना ने प्रसव के बाद अपने शरीर को लेकर होने वाली परेशानियों के बारे में खुलकर बात की है। उन्होंने बताया कि कभी-कभी उन्हें अपनी प्रेग्नेंसी से पहले वाली बॉडी की याद आती है और बच्चे के जन्म के बाद शरीर में आए बदलावों के साथ तालमेल बैठाना उन्हें मुश्किल लगता है।

इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री ने अपने पेट के ढीलेपन, त्वचा के ढीले होने और शरीर के आकार में आए बदलावों के बारे में बात की। साथ ही उन्होंने खुद को याद दिलाया कि उनके बच्चे के जन्म को अभी सिर्फ ढाई महीने ही हुए हैं। उन्होंने जिम की कुछ तस्वीरें भी साझा कीं, जिनमें उनके शरीर में आए बदलावों की झलक देखने को मिली। करिश्मा ने कैप्शन में लिखा, कभी-कभी, मुझे अपनी प्रेग्नेंसी से पहले वाली बॉडी बहुत याद आती है। जब मैं आइने में देखती हूं, तो मुझे अपना पेट ढीला लगता है, त्वचा ढीली दिखती है और मेरा शरीर पहले के मुकाबले बड़ा हो गया है। शापिंग करना बहुत थकाऊ लगता है और कभी-कभी तो मेरा तैयार होने का भी मन नहीं करता।

अभिनेत्री ने कहा, फिर मुझे खुद को प्यार से याद दिलाना पड़ता है। मैं अंदर एक नन्हा इंसान पल रहा था। मेरे शरीर ने उसकी जिंदगी के लिए जगह बनाई। अभी तो बस ढाई महीने ही हुए हैं, मैं इतनी जल्दी खुद से इतनी उम्मीदें



क्यों लगा रही हूं? मैं अपने शरीर के लिए आभारी भी हो सकती हूं और साथ ही इसमें आए बदलावों को मुश्किल भी मान सकती हूं। मैं मां बनने के अनुभव से प्यार भी कर सकती हूं और साथ ही खुद को महसूस करने की कमी भी महसूस कर सकती हूं।

करिश्मा ने कहा कि माएं भी उसी कोमलता की हकदार हैं, जो वे अपने बच्चों को देती हैं। उन्होंने कहा, तो अब मैं खुद को कम आलोचनात्मक नजरिए से और ज्यादा दयालुता के साथ देखना सीख रही हूं। मैं खुद को ठीक होने, मजबूत महसूस करने और फिर से सहज महसूस करने के लिए समय दे रही हूं। जो भी मां ऐसा महसूस कर रही है, उसे बता दूं, आप अकेली नहीं हैं। हम भी उसी कोमलता की हकदार हैं, जो हम अपने बच्चों को देती हैं।

6 अप्रैल को करिश्मा और उनके पति वरुण बंगेरा ने घोषणा की थी कि वे पहली बार माता-पिता बनने जा रहे हैं। करिश्मा और वरुण ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स के जरिए यह खुशखबरी साझा की थी। जुलाई में उनके यहां एक बेटे का जन्म हुआ।

मृणाल को ऐसे मिला था सीता रामम की सीता का ऑफर बोलीं - कहानी सुन रो पड़ी

बॉलीवुड मशहूर अभिनेत्री मृणाल ठाकुर ने हाल ही में खुलासा किया कि फिल्म सीता रामम में रश्मिका मंदाना के किरदार के लिए पहले उनसे संपर्क किया गया था। हालांकि, निर्देशक हनु राघवपुड़ी को लगा कि मृणाल फिल्म में सीता की भूमिका निभाने के लिए ज्यादा उपयुक्त हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि जब उन्होंने पहली बार फिल्म की कहानी सुनी थी, तो वह भावुक हो गई थीं।

मृणाल ने कहा, नाग अश्विन सर ने मेरी फिल्म देखी और मैंने उनकी फिल्म महानटी देखी। इसके बाद उन्होंने मुझसे संपर्क किया और कहा कि एक फिल्म है, जिसकी कहानी मुझे सुननी चाहिए। उस समय, वह मुझे उस किरदार के बारे में बताते आए थे, जो रश्मिका ने निभाया है, लेकिन अचानक हनु सर को लगा कि नहीं, यही मेरी सीता है। वहाँ मेरे मन की आवाज भी यही कह रही थी कि मुझे ही सीता बनना है।

मृणाल ने आगे कहा, मैंने सर से कहा कि राजकुमारी बनना मेरा सपना था और मुझे खुशी है कि मुझे ऐसा किरदार निभाने का मौका मिला। इसी तरह सीता रामम मिली। मेरे मन की आवाज मुझसे कह रही थी कि मुझे ही सीता बनना है; सीता रामम में मृणाल ठाकुर के अलावा कोई और सीता का किरदार नहीं निभा सकता। जब मैंने कहानी सुनी, तो मैं रो पड़ी और उन सभी भावनाओं को गहराई से महसूस किया। 2022 में रिलीज हुई सीता रामम तेलुगु रोमांटिक ड्रामा है, जिसका निर्देशन हनु राघवपुड़ी ने किया है। इसमें मृणाल और रश्मिका के अलावा दुलकर सलमान भी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में मृणाल का अभिनय उनके करियर के सबसे यादगार किरदारों में से एक है।



बच्चों को किताबें पढ़ने के लिए प्रेरित करना है तो आजमाएं ये पांच गतिविधियां

बच्चों में किताब पढ़ने की आदत डालना एक जरूरी कदम है। यह न केवल उनके ज्ञान को बढ़ाता है, बल्कि उनकी कल्पना शक्ति और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को भी मजबूत करता है। किताबें पढ़ने से बच्चे नई चीजें सीखते हैं और उनके सोचने-समझने की क्षमता में भी सुधार होता है। इस लेख में हम कुछ सरल और असरदार गतिविधियों के बारे में जानेंगे, जो बच्चों को किताबें पढ़ने के लिए प्रेरित कर सकती हैं।

किताबों की दुनिया से परिचित कराएं

बच्चों को किताबों की दुनिया से परिचित कराने के लिए सबसे पहले उन्हें किताबों से जोड़ें। घर पर ही छोटे-छोटे किताबों का एक कोना बनाएं, जहां वे आसानी से बैठकर किताबें देख सकें।

किताबों का चुनाव ऐसा करें, जो उनकी उम्र और रुचियों के अनुसार हों। इससे बच्चे किताबों के करीब आएंगे और उनमें पढ़ने की आदत बनेगी।

इसके अलावा उन्हें कहानियों और चित्रों वाली किताबें दें, जो उनकी कल्पना शक्ति को बढ़ावा देंगी।

रोजाना कहानी सुनाएं

रोजाना कहानी सुनाना एक अच्छी आदत हो सकती है, जो बच्चों को किताबें पढ़ने के लिए प्रेरित करती है।

सोते समय या शाम के समय कहानियां सुनाने का समय निकालें और इसमें बच्चों को भी शामिल करें ताकि वे खुद भी कहानी सुनाने की कोशिश करें।

इससे उनकी भाषा क्षमता भी बढ़ेगी और वे किताबों की कहानियों में रुचि लेने लगे। आप उनकी पसंदीदा किताबों का चयन कर सकते हैं, जिससे वे और भी ज्यादा प्रेरित होंगे।

पुस्तकालय जाना सिखाएं

पुस्तकालय जाना सिखाना बच्चों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यहां वे अलग-अलग प्रकार की किताबें देख सकते हैं, जिनसे उनकी रुचि बढ़ेगी और वे नई चीजें सीख सकेंगे।

पुस्तकालय में जाकर बच्चे खुद किताबें चुनना सीखते हैं, जिससे उनका आत्मविश्वास भी बढ़ता है। इसके अलावा पुस्तकालय में बच्चों को अन्य पाठकों से मिलकर नई किताबों के बारे में जानने का मौका मिलता है। इससे उनकी सामाजिक क्षमता भी बढ़ती है।

किताबों पर चर्चा करें

किताबें पढ़ने के बाद उन पर चर्चा करना बहुत जरूरी है। इससे न केवल बच्चों की समझ बढ़ेगी बल्कि वे अपने



विचार साझा करना भी सीखेंगे।

किताबों पर चर्चा करने से बच्चों की सोचने-समझने की क्षमता में भी सुधार होता है। आप उनके साथ बैठकर किताबों के पात्रों, घटनाओं और संदेशों पर बात कर सकते हैं। इससे उनकी भाषा क्षमता भी बढ़ेगी और वे किताबों की कहानियों में रुचि लेने लगे।

पुरस्कार प्रणाली अपनाएं

बच्चों को किताबें पढ़ने के लिए प्रेरित करने का एक तरीका यह हो सकता है कि आप एक पुरस्कार प्रणाली अपनाएं। जब वे कोई किताब पूरी करें तो उन्हें छोटे-छोटे पुरस्कार दें जैसे स्टिकर, स्टार या कोई खास ट्रीट। इससे वे अपनी उपलब्धियों पर गर्व महसूस करेंगे और आगे भी पढ़ने की कोशिश करेंगे।

इस तरह आप आसानी से अपने बच्चों में किताबें पढ़ने की आदत डाल सकते हैं।

‘पहले जैसी क्यों हो जाऊं’ बॉडी शेमिंग पर कैटरीना बोलीं - ये दौर खूबसूरत है, राय से असर नहीं पड़ेगा

अभिनेत्री कैटरीना कैफ बेटे के जन्म के बाद वजन बढ़ने को लेकर सोशल मीडिया पर हो रही ट्रोलिंग से चिंतित नहीं हैं। उनका कहना है कि वह अपने जीवन के इस खूबसूरत दौर को लोगों की बदलती राय से प्रभावित नहीं होने देंगी।

कैटरीना ने कहा कि मुझे लगता है कि ज्यादातर लोग जानते हैं कि बच्चे को जन्म देने के बाद एक महिला का शरीर किन बदलावों से गुजरता है। अगर इसके बावजूद वे उसके शरीर को बहुत बारीकी से देखना चाहते हैं, तो यह उनकी मज्जी है। इसके लिए जानकारी की कमी को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, क्योंकि इस बारे में बहुत सारी जानकारी उपलब्ध है। मैं केवल अपनी जिंदगी के इस खूबसूरत दौर पर और आगे बढ़ने पर ध्यान देना चाहती हूं।

इस तरह की टिप्पणियां कोई नई बात नहीं

बॉलीवुड की सबसे फिट अभिनेत्रियों में गिनी जाने वाली 43 वर्षीय कैटरीना से एक पाकिस्तानी रेडियो जॉकी ने भी माफी मांगी थी। कैटरीना ने कहा कि हम ऐसी दुनिया में रहते हैं, जो हमें लोगों की लगातार बदलती राय के अनुसार इधर-उधर ले जाना चाहती है। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने व्यक्तिगत टिप्पणियां की थीं और कहा था कि बच्चे के जन्म के बाद कैटरीना ने अपने शरीर का ध्यान रखना छोड़ दिया है।

कई कलाकारों ने ऐश्वर्या और कैटरीना का समर्थन करते हुए उन लोगों की आलोचना की है, जो कलाकारों से सुंदरता के अवास्तविक मानकों पर खरा उतरने की उम्मीद करते हैं। माधुरी दीक्षित, सलमान खान, मृणाल ठाकुर और परिणीति चोपड़ा समेत कई

हस्तियों ने फिल्म कलाकारों के शरीर पर जरूरत से ज्यादा ध्यान दिए जाने की आलोचना की है। कैटरीना ने बच्चे के जन्म के बाद तुरंत पहले जैसी सुडील काया हासिल करने की सोच पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि पहले जैसी हो जाऊं? क्यों? मैंने अपने दिल की एक बहुत बड़ी इच्छा पूरी की है। ऐसे में मैं पीछे क्यों जाना चाहूंगी? विधान के जन्म के बाद शुरुआती दिनों में जब मैंने उसका चेहरा देखा, तो मेरी खुशी शब्दों में बयां नहीं की जा सकती। मुझे एहसास हुआ कि मेरे और विक्की के 4 साल के सफर के बाद हमें यह खुशी मिली है।



ख़ास-ख़बर

जल संरक्षण की शपथ के साथ ग्रामीणों को जल गुणवत्ता जांच का दिया गया प्रशिक्षण

रायगढ़। घर-घर नल से जल पहुंचने से ग्रामीण परिवारों की रोजमर्रा की जिंदगी में बदलाव आ रहा है। जिन परिवारों को पहले पानी के लिए दूर-दूर तक जाना पड़ता था, उन्हें अब घर पर ही पानी की सुविधा मिल रही है। इससे विशेषकर महिलाओं का समय और श्रम बच रहा है, वहीं बच्चों और अन्य सदस्यों को भी पानी के लिए बाहर नहीं जाना पड़ता। चिटकाकानी और त्रिभौना गांव के ग्रामीणों को सुरक्षित पेयजल के महत्व से अवगत कराने के साथ जल गुणवत्ता परीक्षण की प्रक्रिया भी समझाई गई। प्रशिक्षण के दौरान पानी के नमूने में निधरित मात्रा में रसायन मिलाकर उसकी जांच करने और प्राप्त परिणाम का निधरित मानकों से मिलान करने की जानकारी दी गई। प्रशिक्षक ने प्लोरोइड की अधिकता से होने वाली फ्लोरोसिस बीमारी के बारे में भी बताया तथा जांच के दौरान निधरित प्रक्रिया का पालन करने पर जोर दिया।

दिव्यांगजनों और बच्चों को निःशुल्क सहायक उपकरण उपलब्ध कराने सूरजपुर में विशेष शिविर

रायपुर। समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजबाड़े के निर्देश पर दिव्यांगजनों और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को उनकी जरूरत के अनुरूप निःशुल्क कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण उपलब्ध कराने के लिए सूरजपुर जिले में विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। समाज कल्याण विभाग एवं भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) के सहयोग से 28 अक्टूबर को प्रेमनगर और 29 अक्टूबर को ओड़ुगी में लगाए गए शिविरों में कुल 212 दिव्यांगजनों का पंजीयन किया गया। इनमें से 31 को कृत्रिम अंग एवं कैलिपर्स का लाभ मिला, जबकि 75 दिव्यांगजनों को सहायक उपकरणों के लिए चिन्हंकित किया गया है। प्रेमनगर शिविर में 142 दिव्यांगजनों का पंजीयन हुआ। इनमें 17 को कृत्रिम अंग एवं कैलिपर्स उपलब्ध कराए गए तथा 45 को सहायक उपकरणों के लिए चिन्हंकित किया गया।

छत्तीसगढ़ की लगातार तीसरी जीत, असम को 5 विकेट से हराया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बीसीसीआई द्वारा आयोजित सीनियर वुमेंस टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 में छत्तीसगढ़ की महिला टीम का शानदार प्रदर्शन जारी है। टूर्नामेंट में छत्तीसगढ़ ने अपनी लगातार तीसरी जीत दर्ज करते हुए 29 अक्टूबर 2026 को सूत में खेले गए मुकाबले में असम को 5 विकेट से हरा दिया।

छत्तीसगढ़ ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी असम की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर 107 रन बनाई। असम की ओर से जिन्टिमणी कलिता ने शानदार 57



रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। वहीं हेमलता पायंग ने नाबाद 29 रन बनाई।

छत्तीसगढ़ की ओर से प्रीति

पटवारियों की हड़ताल के बीच जिला प्रशासन ने पूरा कराया धान के रकबे का सत्यापन, 98 प्रतिशत पॉलीगॉन जनरेशन का कार्य पूरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। पटवारियों की हड़ताल के बीच रायगढ़ जिला प्रशासन ने धान के रकबे के भौतिक सत्यापन का काम लगभग पूरा कर लिया है। जिस काम में पटवारियों की भूमिका की अहम माना जाता है, उसे राजस्व विभाग ने राजस्व निरीक्षकों, सर्वेयर्स, कोटवारों और किसानों के सहयोग से आगे बढ़ाते हुए उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। जिले में निर्धारित 1 लाख 52 हजार 49 धान खसरों में से 1 लाख 48 हजार 773 से अधिक का पॉलीगॉन जनरेशन पूरा हो चुका है।

इस तरह 98 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया गया है। शेष खसरों का पीवी भी पूरा करने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। जिले में पटवारियों की हड़ताल के बीच किसानों के धान विक्रय की प्रक्रिया प्रभावित न हो और वास्तविक रकबे का सत्यापन समय पर हो सके, इसके लिए जिला प्रशासन ने वैकल्पिक व्यवस्था के तहत मैदानी इलाके को सक्रिय किया। तहसीलदारों, नायब तहसीलदारों, राजस्व निरीक्षकों और सर्वेयरों ने गांवों में पहुंचकर किसानों तथा कोटवारों के सहयोग से खेतों की पहचान की और भौतिक सत्यापन का कार्य किया। समन्वित प्रयास और तकनीक के उपयोग से इस महत्वपूर्ण कार्य को पटवारियों की अनुपस्थिति में भी पूरा किया गया। धान के रकबे का



राजस्व नवशे और गूगल मैप के मिलान से सटीकता पर जोर

भौतिक सत्यापन को अधिक सटीक बनाने के लिए तहसीलों में राजस्व नवशों का गूगल मैप से मिलान भी किया गया। इससे संबंधित खसरे की वास्तविक भौगोलिक स्थिति समझने और मौके पर सही खेत तक पहुंचने में सहायता मिली। मैदानी सत्यापन, किसान की पुष्टि, कोटवार के सहयोग और नवशे के मिलान कर गूटिरहित बनाने का प्रयास किया गया। यह प्रक्रिया डीसीएस के दूसरे चरण के अंतर्गत की जा रही है। पहले चरण में डिजिटल कॉप सर्वे के माध्यम से गिरदावरी का कार्य किया जाता है, जबकि दूसरे चरण में ऑनलाइन रिकॉर्ड में दर्ज नहीं हो पाए संबंधित खसरों की अपने पर जाकर पहचान और भौतिक सत्यापन किया जाता है। इसी प्रक्रिया के तहत सर्वेयरों की मदद से पॉलीगॉन तैयार किए जा रहे हैं।

सत्यापन केवल ऑनलाइन रिकॉर्ड के आधार पर नहीं किया गया, बल्कि खेतों तक पहुंचकर वास्तविक स्थिति की पुष्टि की गई। थर्ड पार्टी सर्वेयरों को संबंधित खसरों की जानकारी देकर मौके पर भेजा गया। गांव के कोटवारों ने खेत और उसके मालिक की पहचान कराने में मदद की। इसके बाद किसानों से संपर्क कर उन्हें अपने खेत तक बुलाया गया। किसानों ने स्वयं अपने खेत की

सीमा बताई, जिसके आधार पर सर्वेयरों ने मौके पर पॉलीगॉन तैयार किया और धान से संबंधित आवश्यक जानकारी दर्ज की। इस प्रक्रिया में किसान की प्रत्यक्ष भागीदारी से खेत की पहचान की पुष्टि हुई, वहीं स्थानीय कोटवार के सहयोग से भी जानकारी का मिलान किया गया। इससे सर्वेयरों को सही खेत तक पहुंचने और वास्तविक स्थिति के अनुरूप पॉलीगॉन तैयार करने में मदद

मिली। इस अभियान में 27 राजस्व निरीक्षकों और लगभग 1,385 सर्वेयरों ने मैदानी स्तर पर काम किया। इसके साथ ही 900 से अधिक कोटवारों ने गांवों में खेतों और खसरों की पहचान कराने में सहयोग दिया। तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों ने अपने-अपने क्षेत्रों में प्रगति की निगरानी की, जबकि अनुविभागीय अधिकारियों ने भी मैदानी कार्यों की समीक्षा की।

किसानों की आय बढ़ाने बाजार आधारित खेती और फसल विविधीकरण को दें प्राथमिकता : कृषि उत्पादन आयुक्त

धान के बदले दलहन, तिलहन और मिलेट्स की खेती अपनाने किसानों को करें प्रोत्साहित, प्रति एकड़ 15 हजार रुपए अनुदान का प्रावधान



निर्देश दिए।

15 नवंबर से धान खरीदी अभियान, सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश कृषि उत्पादन आयुक्त परदेशी ने आगामी 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर प्रारंभ होने वाले धान खरीदी अभियान की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि किसानों को धान विक्रय में किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। इसके लिए कृषि, सहकारिता, मार्केटिंग सहित संबंधित विभाग आपसी समन्वय से सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित करें। उन्होंने खाद-बीज की उपलब्धता, भंडारण एवं वितरण

व्यवस्था की भी समीक्षा की तथा इन कार्यों में पारदर्शिता और प्रभावी निगरानी के लिए साथी पोर्टल का उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। श्री परदेशी ने फसल विविधीकरण की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुए अधिकारियों को इसमें तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को धान के स्थान पर दलहन, तिलहन और कोदो-कुटकी, रागी जैसी मिलेट्स फसलों की खेती अपनाने के लिए प्रेरित किया जाए।

उन्होंने बताया कि धान के बदले अन्य निर्धारित फसलों की खेती करने पर किसानों को प्रति एकड़ 15 हजार रुपए अनुदान देने का

चक्रवात से फसलों को नुकसान होने पर किसानों को दिलाए राहत

कृषि उत्पादन आयुक्त ने बंगाल की खाड़ी में आए चक्रवात शर्उनबश् के संभावित प्रभावों को ध्यान में रखते हुए अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि चक्रवात के कारण प्रदेश के किसी भी क्षेत्र में किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचने की स्थिति में तत्काल सर्वे कराया जाए। उन्होंने प्रभावित किसानों के प्रकरण तैयार कर शासन के प्रचलित नियमों एवं योजनाओं के अंतर्गत पात्रतानुसार राहत और सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

प्रारवधान है। इस योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार कर अधिकाधिक किसानों को लाभान्वित किया जाए। उन्होंने उद्घाटनिकी फसलों के विस्तार पर जोर देते हुए फूलों, फलों, मखाना और ऑयल पाम की खेती को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फसल विविधीकरण केवल उत्पादन बढ़ाने तक सीमित न रहे, बल्कि किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें स्थायी बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में भी परिणाममूलक प्रयास किए जाएं।

कृषि यंत्रीकरण सबमिशन की समीक्षा करते हुए श्री परदेशी ने कहा कि शासन द्वारा आधुनिक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किसानों को विभिन्न कृषि यंत्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके बावजूद फसल की बुआई और

कटाई के समय हरियाणा, पंजाब सहित अन्य राज्यों से आने वाली कृषि मशीनों का उपयोग अधिक दिखाई देता है। यह स्थिति गंभीरता से विचार करने योग्य है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासन की योजनाओं के अंतर्गत कृषि यंत्र प्राप्त करने वाले किसानों को मशीनों के संचालन, रखरखाव और उपयोग का समुचित व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाए। इससे किसान उपलब्ध कृषि यंत्रों का बेहतर उपयोग कर सकेंगे और खेती की लागत में कमी आएगी। कृषि उत्पादन आयुक्त परदेशी ने निजी कृषि आदान विक्रय केंद्रों में अनियमितताओं की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए।

जिला चिकित्सालय जांजगीर में टाईप 1 डायबिटीज वलीनिक का हुआ शुभारंभ

जांजगीर-चांपा। राज्य शासन के निर्देशानुसार कलेक्टर जनमेजय महोबे के मार्गदर्शन में जिला चिकित्सालय जांजगीर में टाईप 1 डायबिटिज (टी1डी) क्लीनिक का शुभारंभ किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. श्रीमती अनोता श्रीवास्तव ने बताया कि इसका उद्देश्य जिले में टाईप 1 डायबिटिज से पीड़ित बच्चों एवं किशोरों के लिये जांच उपचार एवं नियमित फॉलोअप सेवाओं का सुदृढ़ीकरण किया जा सके। शुभारंभ कार्यक्रम के दौरान जिला कार्यक्रम प्रबंधक उत्कर्ष तिवारी, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक जिला चिकित्सालय डॉ. बी.एल. जागृति, डॉ. मधुराभा राठौर, डॉ. एन. के. धुर्वे, डॉ. लोकेन्द्र कश्यप, डॉ. आलोक मंगलम, डॉ. संदीप साहू, डॉ. अभिषेक कौशिक, ऑकित ताम्रकार, कोमल प्रसाद, देवेन्द्र कुमार देवांगन एवं स्टॉफ मरीजों व उनके परिजन उपस्थित थे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि टाईप 1 डायबिटिज से पीड़ित बच्चों को समय पर पहचान नियमित उपचार एवं निरंतर चिकित्सकीय देखभाल की आवश्यकता होती है किशोरों के लिये नियमित स्वास्थ्य जांच उपचार एवं नियमित फॉलोअप निःशुल्क इमुलिन उपलब्ध कराया जायेगा।

सीएससीएस की पलक सिंह और महक नरवसे का बीसीसीआई महिला अंडर-19 टी-20 चैलेंजर्स ट्रॉफी 2026 के लिए चयन

श्रीकंचनपथ न्यूज



आयोजित वुमेंस प्रिमीयर लीग के स्पीड क्रीन प्रतियोगिता में उन्होंने 106 कि.मी. की गति से गेंदबाजी कर स्वर्ण पदक प्राप्त किया था।

महक नरवसे - गेंदबाजी ऑलराउंडर: महक नरवसे छत्तीसगढ़ की प्रतिभाशाली गेंदबाजी ऑलराउंडर हैं। वह घरेलू क्रिकेट में छत्तीसगढ़ महिला टीम का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं और अपनी बल्लेबाजी एवं गेंदबाजी, दोनों क्षमताओं

के लिए जानी जाती हैं। वे भारतीय अंडर 19 महिला टीम की उपकप्तान भी रहीं हैं। **पिछले घरेलू सत्र में भी दोनों खिलाड़ियों का प्रभावशाली प्रदर्शन:** महक नरवसे ने पिछले घरेलू सत्र में अपने ऑलराउंड प्रदर्शन से खास पहचान बनाई। सीनियर महिला वनडे ट्रॉफी 2025-26 में उन्होंने 212 रन बनाने के साथ 20 विकेट हासिल किए। महिला अंडर-19 वनडे ट्रॉफी में चार मैचों में 67 रन और आठ विकेट लिए, जबकि महिला अंडर-23 टी-20 ट्रॉफी में 53 रन बनाने के साथ सात विकेट हासिल किए। महिला अंडर-19 टी-20 ट्रॉफी में भी उन्होंने चार मैचों में पांच विकेट लेकर अपनी गेंदबाजी क्षमता का परिचय दिया। वहीं, मध्यम तेज गेंदबाज पलक सिंह ने पिछले वर्ष आठ मैचों में पांच विकेट हासिल किए। उनकी तेज गेंदबाजी और लगातार बेहतर प्रदर्शन ने उन्हें युवा क्रिकेट में अपनी पहचान बनाने में मदद की।

बीजापुर जिले के गैरमगढ़ एवं बीजापुर ब्लॉक में 'खेत बचाव अभियान' का आयोजन

बीजापुर। जिले में फसलों की सुरक्षा और किसानों की लागत घटाने के उद्देश्य से संचालित राष्ट्रव्यापी 'खेत बचाव अभियान' के अंतर्गत आज ब्लॉक भैरमगढ़ के ग्राम दर्रापाल तथा ब्लॉक बीजापुर के ग्राम बोरजे में विशेष प्रक्षेत्र कार्यक्रम आयोजित किए गए। 22 अक्टूबर से 30 नवंबर 2026 तक चलने वाले इस सघन अभियान का मुख्य ध्येय स्वस्थ मिट्टी, सशक्त किसान, समृद्ध भारत तथा मिट्टी बचाओ, खेती बचाओ, किसान बचाओ की संकल्पना को धरातल पर उतारना है। कृषि विज्ञान केंद्र बीजापुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. शमशेर आलम एवं डॉ. राजकमल पटेल के नेतृत्व में वैज्ञानिकों के दल ने दर्रापाल और भोजे के कृषक प्रक्षेत्रों का सघन निरीक्षण किया।

SAIRAM
Mobile Accessories

मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है

7000415602

Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

चौरसिया ज्वेलर्स

आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता

बेन्वेक्स एवं ग्रहलत उपलब्ध यहां

उचित व्याज दर पर धिरीवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई

9827938211, 9827171332

CAR DECOR

House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories

**Shop No.3 Nafish Tower,
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai**

Mo.9300771925, 0788-4030919

K. Satyanarayan

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE

Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture

Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 22964330

Jaquar Roca **Perrysone** **AJAY FLOWLINE**

Shri Vijay Enterprises

Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.

Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

भानपुरी में चोरी के मामले में 18 वर्षीय आरोपी गिरफ्तार

जगदलपुर। बस्तर जिले के भानपुरी थाना क्षेत्र में चोरी के मामलों में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से चोरी की दो मोटरसाइकिल, दुकान से चुराए गए खाद्य एवं अन्य सामान और नकदी बरामद की गई है। सिंचाई कॉलोनी करंदोला निवासी शुभम गुप्ता ने 19 अक्टूबर की दरम्यानी रात अपनी पैशन प्रो मोटरसाइकिल चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मामले में अपराध दर्ज कर पुलिस जांच कर रही थी। इसी दौरान स्थानीय लोगों से पूछताछ में करंदोला छेपड़ापारा निवासी सागर कश्यप के पास बिना नंबर की पैशन प्रो मोटरसाइकिल होने की जानकारी मिली। संदेह के आधार पर पुलिस ने सागर कश्यप से पूछताछ की। पुलिस का कहना है कि पूछताछ में उसने करंदोला की सिंचाई कॉलोनी से पैशन प्रो मोटरसाइकिल चोरी करना स्वीकार किया। इसके अलावा उसने भानपुरी स्थित पान ठेला गुमटी से बिस्किट, चॉकलेट, साबुन, लाइटर, बीड़ी और गल्ले में रखे 600 रुपये चोरी करने की बात भी बताई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सागर कश्यप (18 वर्ष), निवासी करंदोला जिला बस्तर के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी को न्यायालय में पेश किया जाएगा।

बाइक अनियंत्रित होकर नाले में गिरी, युवक की मौत

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में नेहरू चौक के पास मंगलवार देर रात बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे नाले में गिर गई। हादसे में 30 वर्षीय युवक मनीष कुमार सेंद्रे की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मनीष सकरी क्षेत्र के गोकुलधाम में रहता था और मूल रूप से मुंगेली जिले के चिल्फ्री थाना क्षेत्र का निवासी था। मंगलवार को वह किसी काम से सरकंडा क्षेत्र के ग्राम लगरा गया था। देर रात घर लौटते समय नेहरू चौक के पास उसकी बाइक अनियंत्रित होकर नाले में जा गिरी। हादसे के बाद स्थानीय लोगों और राहगीरों ने उसे नाले से बाहर निकालकर तत्काल अस्पताल पहुंचाया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण उसकी जान नहीं बच सकी। बुधवार को सिम्स अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव परिवजनों को सौंप दिया।

50 लीटर अवैध महुआ शराब जब्त, पिता-पुत्र गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा। जिले में अवैध शराब की बिक्री और परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मुलमुला पुलिस ने 50 लीटर कच्ची महुआ शराब के साथ पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शराब परिवहन में इस्तेमाल किए जा रहे इक्को वाहन को भी जब्त किया है। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, थाना मुलमुला पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम कोसा सबरिया डेरा क्षेत्र में अवैध कच्ची महुआ शराब की बिक्री और परिवहन किया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में टीम गठित की गई। 50 लीटर अवैध कच्ची महुआ शराब बरामद हुई।

13 वर्षीय छात्रा से सामूहिक दुष्कर्म का आरोप, एक नाबालिग सहित तीन आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में 13 वर्षीय छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता को शिकायत के आधार पर रत्निचरई पुलिस ने एक नाबालिग सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और पॉक्सो एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, घटना 14 अक्टूबर की शाम की है। कक्षा आठवीं में पढ़ने वाली छात्रा पेन खरीदने के लिए घर से निकली थी, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटी। परिजनों को रात करीब 11 बजे सूचना मिली कि बच्ची गांव के कुछ युवकों द्वारा एक रिश्तेदार के घर बेवशियों की हालत में लाई गई है। परिजन उसे उपचार के लिए गुंजरदेही अस्पताल ले गए। परिजनों के मुताबिक, घर लौटने के बाद छात्रा डरी-सहमी और चुप रहने लगी थी। मां के पूछने पर 26 अक्टूबर को उसने अपने साथ हुई घटना की जानकारी दी। छात्रा ने आरोप लगाया कि दो युवक उसे डराकर

साधु बनकर 15 लाख की ठगी करने वाला गिरफ्तार

पत्नी की बीमारी ठीक करने और परिवार पर अनिष्ट का डर दिखाकर मांगे थे जेवर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। साधु बनकर पूजा-पाठ के नाम पर ठगी करने वाले ग्वालियर के आरोपी को रायपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मामले में एक नाबालिग भी पकड़ा गया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से करीब 3 लाख रुपए कीमत के 17 ग्राम सोने के आभूषण और मोबाइल जब्त किया है। गिरोह के अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

मामला गंज थाना क्षेत्र के फाफाडीह स्थित जयलक्ष्मी कॉम्प्लेक्स का है। यहां रहने वाले जसवंत परमार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि मार्च 2026 में तीन अज्ञात साधु उनके घर पहुंचे थे। आरोपियों ने उनकी पत्नी की बीमारी, आंखों की परेशानी और घरेलू समस्याओं के बारे में बातें बताकर भरोसा जीत लिया। इसके बाद पूजा-पाठ के नाम पर जेवर और नकदी लेना शुरू कर दिया।

पहले अंगूठी ली, फिर चेन और दूसरे जेवर भी ले गए

पीड़ित की पत्नी से आरोपियों ने पहली बार सोने की अंगूठी और नकदी ली। करीब 10-12 दिन बाद वे फिर घर पहुंचे और पूजा के बाद जेवर लौटाने का झांसा देकर सोने की चेन सहित दूसरे सोने-चांदी के आभूषण भी ले गए। आरोपियों ने न महिला को धमकाया कि अगर उसने इस बारे में किसी को



बताया तो परिवार के सदस्यों की मौत हो सकती है या कोई अनिष्ट हो सकता है। इस डर से महिला ने किसी को कुछ नहीं बताया।

7 सितंबर से फ़ोन कर और जेवर मांगने लगे

पुलिस के मुताबिक, 7 सितंबर से आरोपी लगातार फोन कर महिला से और जेवर व नकदी मांगने लगे। इससे महिला को शक हुआ कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है। आरोपियों ने न तो कोई पूजा-पाठ कराया और न ही पहले लिए गए आभूषण

वापस किए। इसके बाद परिवार ने गंज थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की थी।

मोबाइल नंबरों की जांच से ग्वालियर तक पहुंची पुलिस

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त तारकेश्वर पटेल, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त विवेक शुक्ला और सहायक पुलिस आयुक्त दीपक मिश्रा ने आरोपियों को जल्द पकड़ने के

निर्देश दिए। थाना प्रभारी दीपक पासवान के नेतृत्व में पुलिस टीम ने पीड़ित और उनकी पत्नी से पूछताछ की। इसके बाद आरोपियों के संपर्क में इस्तेमाल हुए मोबाइल नंबरों और महिला को फोन करने वाले अन्य नंबरों का तकनीकी विश्लेषण किया गया।

जांच के दौरान पुलिस ने मध्यप्रदेश के ग्वालियर निवासी गुरुदयाल सिंह उर्फ दल्लू 22 और विधि से संघर्षरत एक बालक को पकड़ा। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में गुरुदयाल ने अपने भाई और अन्य साथी के साथ मिलकर पूजा-पाठ का झांसा देकर ठगी करने की बात स्वीकार की।

17 ग्राम सोना और मोबाइल जब्त, अन्य आरोपी फरार

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 17 ग्राम सोने के आभूषण और वारदात में इस्तेमाल एक मोबाइल फोन जब्त किया है। इनकी कुल कीमत करीब 3 लाख रुपए बताई गई है। गिरफ्तार आरोपी गुरुदयाल सिंह उर्फ दल्लू, पिता भरत सिंह, निवासी नूरगंज सेवा नगर, थाना किला गेट, जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश है।

मामले में शामिल अन्य आरोपी अभी फरार हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि आरोपियों ने साधु बनकर इसी तरह की दूसरी वारदातों को अंजाम तो नहीं दिया है।

मूक-बधिर महिला से दुष्कर्म के आरोप में युवक गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। जशपुर जिले के तुमला थाना क्षेत्र में 37 वर्षीय मूक-बधिर दिव्यांग महिला से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने गांव के ही 20 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान चंद्रहास कुमार के रूप में हुई है। पीड़िता के भाई की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस के अनुसार, आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, घटना 25 अक्टूबर की शाम करीब 6:30 बजे की है। पीड़िता का भाई शौच के लिए मैदान के पास जा रहा था। इसी दौरान उसे झाड़ियों की तरफ से किसी के चिल्लाने की आवाज सुनाई दी। आवाज सुनकर वह मौके पर पहुंचा। शिकायत के मुताबिक, वहां उसने



अपनी 37 वर्षीय दिव्यांग बहन के साथ गांव के ही चंद्रहास कुमार को खेत के पास दुष्कर्म करते हुए देखा। पुलिस को दी गई शिकायत के अनुसार, भाई को मौके पर आता देखकर आरोपी अपने कपड़े, पर्स और मोबाइल फोन वहीं छोड़कर भाग गया।

घटना के अगले दिन 26 अक्टूबर को पीड़िता के भाई ने तुमला थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अपराध क्रमांक 59/2026 के तहत भारतीय न्याय

संहिता की धारा 64(1) और 64(2)(ड) में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की। पीड़िता का मेडिकल परीक्षण भी कराया गया। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस के अनुसार, पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद चंद्रहास कुमार को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है।

पथलगांव एसडीओपी ध्रुवेश जायसवाल ने कहा कि जशपुर पुलिस महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध होने वाले अपराधों को लेकर गंभीर और संवेदनशील है। तुमला थाना क्षेत्र में दिव्यांग महिला से दुष्कर्म के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे गंभीर अपराधों में संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफसख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

महिला वकील ने की थी शिकायत, रिकॉर्ड रूम में कर्मचारियों ने रख लिए थे निजी कर्मचारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग कलेक्टरेट के रिकार्ड रूम में कर्मचारी सांठगांठ करके निजी कर्मचारियों से काम करवा रहे थे। इसका खुलासा तब हुआ जब एक महिला वकील ने कलेक्टर से शिकायत की। कलेक्टर ने खुद रिकार्ड रूम में जाकर औचक जांच की तो यह शिकायत सही निकली। मामले में चार महिलाकर्मों और एक प्यून के खिलाफ विभागीय जांच बैठाई गई है।

जांच एक ऐसी महिलाकर्मों की भी होगी जो दो दिन पहले सेवानिवृत्त हो चुकी हैं। इससे सेवानिवृत्त होने के बाद मिलने वाला पैसा भी रुक गया है। सिर्फ जीपीएफ और बीमा का पैसा ही दिया गया है। बाकी पैसा जांच में निर्दोष पाए जाने के बाद दिया जाएगा। वहीं बाकी तीन महिलाकर्मों और प्यून को दूसरी शाखा में पदस्थ कर दिया गया है।

कलेक्टर परिसर स्थित रिकार्ड रूम को लेकर लगातार शिकायत सामने आ रही थी। इससे यह



पता चल रहा था कि वहां के कर्मचारी सांठगांठ करके निजी कर्मचारियों को आर्थिक लाभ के लिए काम करवा रहे थे।

निजी कर्मचारियों से ही लोगों को रिकार्ड दिया जा रहा था। निजी कर्मचारी ही रिकार्ड शाखा में रहकर सरकारी दस्तावेजों खंगालते थे। फिर रिकार्ड तैयार कर प्रार्थी को देते थे। इसकी शिकायत कई बार स्थानीय वकीलों ने की थी। डिप्टी कलेक्टर खेमलाल वर्मा ने बताया कि

सभी कर्मचारियों के खिलाफ जांच चल रही है।

कर्मचारियों को अपने पक्ष में गवाह प्रस्तुत करने के लिए निर्देश दिया गया है। जांच पूरी होने के बाद ही आगे की कार्रवाई होगी।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने बताया कि उनके पास एक महिला वकील शिकायत लेकर पहुंची थी। इसके बाद वह वकील के साथ रिकार्ड रूम की जांच करने गए। इससे पता चला कि महिलाकर्मों सुवर्ण राव, पुष्पा वर्मा, भानूमति मरकाम और उषा यादव रिकार्ड रूम में पदस्थ है। इनके साथ प्यून बलदाज यादव की ड्यूटी भी रिकार्ड रूम में है। वकीलों ने इसके साथ आर्थिक अनियमितता की भी शिकायत की।

बाहरी व्यक्तियों से काम जल्दी हो रहा है, वहीं सामान्य लोगों को घुमाया जा रहा है। ग्रामीणों को रिकार्ड के लिए कई दिनों तक चक्कर लगाया पड़ रहा है। सभी के खिलाफ पहले प्राथमिक जांच कराई गई है। इसमें सभी पर लगे आरोप सही पाए गए। सभी के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश जारी किया गया है।

करवाचौथ पर गैस सिलेंडर में धमाका, किचन में लगी आग

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग के मरारपारा इलाके में करवाचौथ के दिन एक बड़ा हादसा टल गया। प्रसाद बनाने के कुछ देर बाद घर में गैस सिलेंडर में जोरदार धमाका हो गया। इससे किचन में आग लग गई और वहां रखा सामान जलकर खाक हो गया। हादसे के समय घर में परिवार के 6 सदस्य मौजूद थे। हालांकि, सभी सुरक्षित बच गए।

जानकारी के मुताबिक, परिवार में करवाचौथ की पूजा की तैयारी चल रही थी। महिला ने किचन में प्रसाद तैयार किया था। इसके बाद वह दूसरे कमरे में चली गईं। इसी दौरान

अचानक गैस सिलेंडर में जोरदार धमाका हो गया। धमाके की आवाज सुनकर घर के लोग घबरा गए। वे कुछ समझ पाते, इससे पहले ही किचन में आग फैल चुकी थी।

किचन का सामान जलकर खाक

सिलेंडर में धमाके के बाद किचन में आग तेजी से फैलने लगी। इसकी चपेट में आने से वहां रखे बर्तन और अन्य सामान जल गए। परिवार के लोगों ने तुरंत दमकल विभाग को सूचना दी। इस बीच आग बुझाने के लिए आसपास के लोग भी मौके पर पहुंच गए।

दमकल की गाड़ी पहुंचने से पहले ही आसपास के लोगों ने पानी डालकर आग पर काबू पा लिया। इससे आग को घर

के दूसरे हिस्सों तक फैलने से रोक लिया गया। हादसे में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। हालांकि, किचन का सामान जलने से परिवार को नुकसान हुआ है।

पुलिस को दी गई सूचना

घटना के बाद परिवार और आसपास के लोगों ने राहत की सांस ली। गनीमत रही कि धमाके के समय कोई भी सदस्य किचन में मौजूद नहीं था। अगर उस समय कोई किचन में होता तो बड़ा हादसा हो सकता था।

घटना की सूचना सिटी कोतवाली पुलिस को दी गई है। फिलहाल सिलेंडर में धमाका होने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। हादसे के बाद आसपास के लोग भी मौके पर जुट गए।





Ashok JEWELLERY

Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sisa Jewellery

Beside Parakh Jewellers,
Akshah Ganga,
Supela, Bhilai

Helllo:- 0788-4052727

Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329



मिलाने की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान

निखार बैंगल

मो.- 9826186026

Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)



भिलाई मसाला उद्योग

शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि

128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फ़ोन. 2284508, मो. 9826137766

योग एवं आयुष सेवाओं के विस्तार के लिए कार्यशैली में सुधार जरूरी : संजय अग्रवाल

राजनांदागांव में आयुष चिकित्सा अधिकारियों के साथ बैठक कर योग के प्रचार-प्रसार, योग वाटिका और वेलनेस सेंटरों की गतिविधियों पर की चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदागांव। छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने राजनांदागांव में जिला आयुष अधिकारी एवं आयुष चिकित्सा अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रदेश में योग के प्रचार-प्रसार, आयुष चिकित्सा सेवाओं के विस्तार, योग वाटिका और वेलनेस सेंटरों के संचालन सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। बैठक का उद्देश्य आयुष सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने, कार्यक्षेत्र में आ रही समस्याओं को समझने तथा भविष्य की योजनाओं के लिए बेहतर कार्ययोजना तैयार करने पर केंद्रित रहा। बैठक के दौरान संजय अग्रवाल ने आयुष चिकित्सा अधिकारियों एवं योग शिक्षकों से उनके कार्यों, अनुभवों, सुझावों और चुनौतियों के संबंध में विस्तार से चर्चा की।



इसके लिए आवश्यक है कि संबंधित अधिकारी और योग शिक्षक योजनाओं को केवल कागजों तक सीमित न रखें, बल्कि उन्हें प्रभावी कार्ययोजना के साथ धरातल पर उतारें। योग का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे, इसके लिए समन्वित प्रयास और नियमित गतिविधियां आवश्यक हैं।

बेहतर परिणामों के लिए प्रभावी कार्ययोजना और कार्यशैली पर जोर

संजय अग्रवाल ने पुराने कार्यों की समीक्षा करने,



वर्तमान गतिविधियों को समझने तथा आगामी कार्यों के लिए व्यवस्थित प्रारूप तैयार करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी योजना की सफलता उसके प्रभावी क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। यदि हमें योग और आयुष के क्षेत्र में बेहतर परिणाम प्राप्त करने हैं, तो कार्य करने का तरीका भी उसी के अनुरूप व्यवस्थित, जवाबदेह और परिणामोन्मुख होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से आसानी समन्वय के साथ कार्य करने, सामने आने वाली समस्याओं का समाधान खोजने तथा योग एवं आयुष से संबंधित गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में प्रयास करने का आह्वान किया।

बैठक के दौरान अधिकारियों के सवालों और सुझावों पर भी चर्चा की गई तथा व्यवस्थाओं में आवश्यक सुधार कर कार्यों को बेहतर ढंग से आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया। छत्तीसगढ़ योग आयोग का उद्देश्य प्रदेश में योग के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना, योग को जनजीवन का हिस्सा बनाना तथा आयुष चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना है।

इस दिशा में अधिकारियों, चिकित्सकों और योग शिक्षकों के बीच बेहतर समन्वय एवं सक्रिय सहभागिता को महत्वपूर्ण बताया गया। बैठक में योग एवं आयुष सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने, उपलब्ध संसाधनों का

जामवंत की भूमिका में हू : संजय अग्रवाल

बैठक में संजय अग्रवाल ने प्रेरक प्रसंग के माध्यम से आयुष चिकित्सा अधिकारियों एवं योग शिक्षकों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि मैं जामवंत की भूमिका में हूँ, जो आयुष के चिकित्सकों और योग शिक्षकों को उनके भीतर मौजूद हनुमान जैसी शक्ति का एहसास कराने आया हूँ। उन्होंने कहा कि आयुष के चिकित्सकों और योग शिक्षकों के पास व्यापक अनुभव, ज्ञान और कार्यक्षमता है। आवश्यकता इस बात की है कि वे अपनी क्षमताओं को पहचानें और उनका उपयोग योग एवं आयुष चिकित्सा के प्रचार-प्रसार के लिए करें। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार जामवंत ने हनुमान जी को उनकी शक्तियों का स्मरण कराया था, उसी प्रकार आयुष से जुड़े अधिकारियों और योग शिक्षकों को उनकी सामर्थ्य का एहसास कराकर उन्हें बेहतर परिणामों के लिए प्रेरित करना आवश्यक है। जब प्रत्येक अधिकारी और योग शिक्षक अपनी जिम्मेदारी को समझते हुए पूरी क्षमता के साथ कार्य करेंगे, तभी योग एवं आयुष सेवाओं का व्यापक विस्तार संभव होगा।

बेहतर उपयोग करने और जनसामान्य तक योग का लाभ पहुंचाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने पर विशेष जोर दिया गया।

मुख्यमंत्री साय ने बाबा कार्तिक उरांव की जन्मशताब्दी पर उनकी आदमकद प्रतिमा का किया अनावरण

मुख्यमंत्री ने पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन द्वारा निर्मित महिला एनजीओ मेस एवं पुलिस आवासीय भवनों का किया लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर के सिविल लाइन स्थित मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअल माध्यम से सरगुजा अंचल में आयोजित जनजातीय समाज के महान जननायक, प्रख्यात अभियंता एवं पूर्व सांसद बाबा कार्तिक उरांव के जन्मशताब्दी समारोह में शामिल होकर उनकी भव्य आदमकद प्रतिमा का अनावरण किया।



इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने जनजातीय समाज की भावनाओं का सम्मान करते हुए शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय, डिगमा, अंबिकापुर का नामकरण ‘अभियंता बाबा कार्तिक उरांव छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, अंबिकापुर’ करने की महत्वपूर्ण घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा कार्तिक उरांव का जीवन शिक्षा, संघर्ष, सामाजिक चेतना और जनजातीय समाज के स्वाभिमान की प्रेरक गाथा है। उनके आदर्श आने वाली पीढ़ियों को शिक्षा के माध्यम से आगे बढ़ने और समाज तथा राष्ट्र की सेवा करने की प्रेरणा देते रहेंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर सीतापुर क्षेत्र को अधोसंरचना विकास की महत्वपूर्ण सौगात देते हुए सोनतराई से सूर तक लगभग 3.82 किलोमीटर लंबी फेरलेन सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इस सड़क के निर्माण पर 28 करोड़ रुपए से अधिक की राशि व्यय की जाएगी। इसके निर्माण से सीतापुर नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन अधिक सुगम और सुरक्षित होगा तथा व्यापारिक एवं आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन द्वारा नवनिर्मित महिला एनजीओ मेस भवन, उदयपुर में 12 अराजपत्रित अधिकारी आवास एवं 12 प्रधान आरक्षक तथा आरक्षक आवास और थाना सीतापुर में 12 प्रधान

पुलिस अधिकारियों और जवानों को मिलेगी बेहतर आवासीय सुविधाएँ

मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन द्वारा निर्मित विभिन्न भवनों के लोकार्पण पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदेश की कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने में पुलिस अधिकारियों और जवानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। वे कठिन परिस्थितियों में भी पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस बल को बेहतर कार्य वातावरण और आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। इसी उद्देश्य से पुलिस विभाग की आवासीय एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने महिला एनजीओ मेस भवन, उदयपुर में 12 अराजपत्रित अधिकारी आवास एवं 12 प्रधान आरक्षक तथा आरक्षक आवास और थाना सीतापुर में 12 प्रधान आरक्षक तथा आरक्षक आवासीय भवनों का लोकार्पण किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन सुविधाओं से पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को बेहतर आवासीय वातावरण मिलेगा तथा वे और अधिक उत्साह एवं मनोबल के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकेंगे।

आरक्षक तथा आरक्षक आवासीय भवनों का लोकार्पण भी किया। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारियों और जवानों को बेहतर आवासीय सुविधाएँ उपलब्ध कराना राज्य सरकार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इन नवीन भवनों से पुलिसकर्मियों और उनके परिवारों को सुविधाजनक वातावरण मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने बाबा कार्तिक उरांव की जन्मशताब्दी पर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि बाबा कार्तिक उरांव केवल जनजातीय समाज के महान नेता ही नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी विचारक, उच्च शिक्षित अभियंता और समाज के अधिकारियों के सजग प्रहरी थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन जनजातीय समाज में शिक्षा के

प्रसार, सामाजिक जागरूकता, संगठन और सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण के लिए समर्पित कर दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा कार्तिक उरांव ने उस समय उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया, जब जनजातीय समाज के लिए शिक्षा के अवसर अत्यंत सीमित थे। उन्होंने इंजीनियरिंग की शिक्षा प्राप्त की और विदेश में भी उच्च अध्ययन कर अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की। उनकी यह उपलब्धि पूरे जनजातीय समाज के लिए गौरव और प्रेरणा का विषय है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बाबा कार्तिक उरांव ने शिक्षा को केवल व्यक्तिगत उन्नति का माध्यम नहीं माना, बल्कि इसे समाज में परिवर्तन लाने का सबसे सशक्त साधन बनाया। उनका विश्वास था

कि शिक्षा, संगठन और जागरूकता के माध्यम से ही समाज अपने अधिकारों की रक्षा करते हुए विकास की मुख्यधारा में सम्मानजनक स्थान प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि बाबा कार्तिक उरांव ने जनजातीय समाज को अपनी परंपराओं, संस्कृति और मूल पहचान के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। उन्होंने समाज को संगठित करने के साथ नई पीढ़ी को आधुनिक शिक्षा प्राप्त करने और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। उनका जीवन इस बात का उदाहरण है कि दृढ़ इच्छाशक्ति, परिश्रम और शिक्षा के बल पर विपरीत परिस्थितियों में भी बड़ी उपलब्धियाँ हासिल की जा सकती हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बाबा कार्तिक उरांव ने लोकसभा

ग्रामीण पत्रकारिता को मिलेगी नई पहचान

छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के दो विश्वविद्यालयों के बीच हुआ एमओयू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ग्रामीण अंचलों की आवाज को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने और युवाओं को पत्रकारिता के क्षेत्र में नए अवसर उपलब्ध करने के लिए पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय, रायपुर और गोंडवाना विश्वविद्यालय, गढ़चिरोली के बीच ग्रामीण पत्रकारिता को सशक्त बनाने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

इस साझेदारी से छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र के दूरस्थ ग्रामीण एवं आदिवासी अंचलों में पत्रकारिता शिक्षा, शोध और प्रशिक्षण गतिविधियों को नई गति मिलेगी।



इस अवसर पर कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. मनोज दयाल ने कहा कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है और ग्रामीण पत्रकारिता ही जमीनी वास्तविकताओं को समाज के सामने लाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि दोनों

विश्वविद्यालयों के साझा प्रयासों से ऐसे पत्रकार तैयार किए जाएंगे, जो संवेदनशीलता और सामाजिक सरोकारों के साथ ग्रामीण विकास, स्थानीय समस्याओं तथा जनजीवन से जुड़े विषयों को प्रमुखता से सामने लाएंगे। गोंडवाना विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रशांत बोकारे ने इस समझौते को

ग्रामीण पत्रकारिता के संवर्धन और उन्नयन की दिशा में ऐतिहासिक पहल बताया। उन्होंने कहा कि इससे ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को पत्रकारिता और जनसंचार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के नए अवसर मिलेंगे। समझौता ज्ञापन पर कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलसचिव सुनील कुमार शर्मा तथा गोंडवाना विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभागाध्यक्ष डॉ. मोहम्मद सरफाज अंसारी ने हस्ताक्षर किए। एमओयू के अंतर्गत दोनों विश्वविद्यालय संयुक्त रूप से संगोष्ठियों, सेमिनारों और कार्यशालाओं का आयोजन करेंगे। ये गतिविधियां एफ़्मलाइन, ऑनलाइन और हाइब्रिड माध्यम से संचालित होंगी, ताकि दूरस्थ

क्षेत्रों के विद्यार्थी, शिक्षक और पत्रकार भी इनका लाभ उठा सकें। इसके साथ ही संयुक्त शोध, प्राध्यापक आदान-प्रदान, छात्र इंटरैक्शन और सामुदायिक रैडियो के माध्यम से ग्रामीण संचार व्यवस्था को मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया जाएगा।

इस शैक्षणिक साझेदारी से ग्रामीण युवाओं को आधुनिक पत्रकारिता की तकनीकों से परिचित होने, व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त करने और स्थानीय मुद्दों को व्यापक मंच पर प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा। साथ ही ग्रामीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और जनजातीय जीवन से जुड़े विषयों को पत्रकारिता की मुख्यधारा में अधिक स्थान मिल सकेगा।

पर्यावरण संरक्षण के लिए आगे आएँ स्काउट्स-गाइड्स जल-जंगल बचाने में निभाएँ अहम भूमिका - राज्यपाल



श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। जल और जंगल को बचाने के लिए सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। स्काउट्स एवं गाइड्स पर्यावरण संरक्षण, जल संचयन और वनों की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने ‘एक पेड़ मां के नाम’ अभियान की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की पहल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रभावी साबित हो रही हैं।

राज्यपाल श्री रमेन डेका आज लोकभवन स्थित छत्तीसगढ़ मंडपम में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित राज्य पुरस्कार अलंकरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशभर से चयनित 1122 स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स और रेंजर्स को राज्य पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। समारोह की अध्यक्षता शिक्षा मंत्री एवं भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष गजेंद्र यादव ने की।

प्रतिभागी समाजसेवा के कार्यों में सक्रिय योगदान दें

राज्यपाल ने पुरस्कार प्राप्त करने वाले सभी प्रतिभागियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि स्काउट्स एवं गाइड्स का आदर्श वाक्य ‘तैयार रहो’ हमें विषम परिस्थितियों का सामना करने और अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के लिए सदैव तत्पर रहने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि

पुरस्कार प्राप्त करना गर्व की बात है, लेकिन इसके साथ जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। सभी प्रतिभागी समाजसेवा के कार्यों में सक्रिय योगदान दें और अपने आचरण से दूसरों के लिए प्रेरणा बनें।

राज्यपाल श्री डेका ने राज्य पुरस्कार प्राप्त करने के लिए बस्तर क्षेत्र से आए स्काउट्स एवं गाइड्स की उपस्थिति पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के खत्मे के बाद बस्तर में शांति स्थापित हुई है और क्षेत्र तेजी से विकास की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए समय को पहचानना और निरंतर संघर्ष करना आवश्यक है। कठिन परिश्रम और दृढ़ संकल्प से ही लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा कि भारत स्काउट्स एवं गाइड्स ने नियम और प्रतिज्ञाएँ इसके सदस्यों को विशिष्ट पहचान प्रदान करते हैं। स्काउटिंग की वर्दी अनुशासन, सेवा और समर्पण के मूल्यों का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि स्काउटिंग से जुड़ा व्यक्ति जीवनभर सेवा के भाव के साथ कार्य करता है। राज्यपाल के हाथों प्राप्त सम्मान प्रतिभागियों के लिए अविस्मरणीय उपलब्धि है और उन्हें आगे भी समाजसेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने प्रदेश के अधिक से अधिक स्काउट्स एवं गाइड्स को राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त करने के लिए शुभकामनाएं दीं। 1122 प्रतिभागियों को मिला राज्य पुरस्कार समारोह में प्रदेशभर से चयनित 405 स्काउट्स, 528 गाइड्स, 64 रोवर्स और 125 रेंजर्स

को राज्यपाल श्री रमेन डेका के हाथों राज्य पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर स्काउटिंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सर्वश्रेष्ठ स्काउट योगेश्वर प्रसाद गांगुली (बालोद), सर्वश्रेष्ठ गाइडर तनुजा बंजारे एवं लता वैष्णव (महासमुंद), सर्वश्रेष्ठ रोवर राजमणि बंजारे एवं चंद्रशेखर पंकज, सर्वश्रेष्ठ रेंजर कुमारी विभूति वर्मा एवं कुमारी कृति बिजौर, सर्वश्रेष्ठ स्काउट ईश साहू, हरीश कुमार खोटे एवं राजवीर भट्ट तथा सर्वश्रेष्ठ गाइड दिव्या पटेल एवं दीप्ति पटेल को सम्मानित किया गया। स्काउटिंग के क्षेत्र में दीर्घकालीन सेवाओं के लिए शैलेंद्र मिश्रा, आनंद राम बघेल, पवन कुमार नायक, विनोद कुमार हथेल, शशि बंछोर और रंजीत रेड्डी को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान पीपिंग सेरेमनी भी आयोजित की गई। इसमें लोकभवन में पदस्थ एडीसी श्री उर्जित पुष्कर (आईपीएस) को रैंक बैज लगाकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में राज्यपाल के सचिव डॉ. सी. आर. प्रसन्ना, शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, छत्तीसगढ़ के राज्य मुख्य आयुक्त इंंदरजीत सिंह खालसा, राज्य सचिव अमित कुमार शत्रिय, कार्यक्रम प्रभारी शैलेंद्र मिश्रा, राज्य प्रशिक्षण आयुक्त डॉ. पूनम सिंह साहू, राज्य संगठन आयुक्त जयवंत श्री, राज्य प्रशिक्षण अधिकारी सरिता पांडे सहित संगठन के पदाधिकारी एवं अधिकारी उपस्थित थे।